khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

सोमवार – 07 अगस्त 2023

वर्ष : 02 – अंक : 288

पृष्ठ–8 मूल्य – 1: 00 रुपये

आरएनआई :

UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

दृष्टिकोण

2 सम्पूर्ण प्रदेश में जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा...

3 घर में विस्फोट के बाद कमरे व शौचालय की छत के....

5 अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत वीरांगना लक्ष्मीबाई ....

## केन-बेतवा लिंक परियोजना का कार्य जल्द ही होगा शुरू- शिवराज

**छतरपुर।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना का कार्य जल्द ही शुरू होगा, जिससे किसानों के खेतों को पानी मिलेगा और छतरपुर (नौगाँव) जिले में समृद्धि आएगी। चौहान ने जिले के नौगाँव में रोड-शो के बाद कल 431 करोड़ 57 लाख रुपये के 20 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह में जनता को संबोधित किया। समारोह में 353 करोड़ 24 लाख रुपये के 11 कार्यों का लोकार्पण और 78 करोड़ 33 लाख रुपये के 9 कार्यों का भूमि-पूजन किया गया। समारोह में केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार, विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी, राजेश प्रजापति, राजेश शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, पूर्व मंत्री ललिता यादव, नगरपालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी, मलखान सिंह, पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह सहित अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं का बेहतर भविष्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना 13 अगस्त से शुरू की जा रही है। योजना के हितग्राहियों को सीखने के दौरान प्रतिमाह 8 से 10 हजार रुपये स्पाईपेंड भी मिलेगा। युवाओं के लिए सरकारी पदों पर एक लाख पदों की भर्ती प्रक्रिया जारी है और इसके बाद 50 हजार और पदों पर भर्ती होगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में माँ-बहन-बेटी के सम्मान में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए अनेक योजनाओं संचालित की जा रही हैं। चौहान ने कहा कि लाड़ली बहना योजना में वर्तमान में दी जा रही 1000 रूपये की राशि को बढ़ाकर 3000 रूपये तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की अगली किश्त की राशि 10 अगस्त को रीवा से बहनों के खाते में राशि डाली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना से बेटियों के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच आयी है। स्थानीय निकायों के निर्वाचन में 50 प्रतिशत आरक्षण के साथ ही पुलिस, शिक्षक एवं अन्य नौकरियों में भी महिलाओं को आरक्षण दिया जा रहा है। इससे महिलाओं का आत्म-विश्वास ही नहीं बढ़ा है, बल्कि उनकी हर जगह भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना के दूसरे चरण में अब 21-23 साल की बहनों और ट्रेक्टरधारी परिवार की बहनों को योजना का लाभ दिया जाएगा।

# शरद पवार को लग सकता है एक और झटका, जयंत पाटिल के अजित गुट में शामिल होने की अटकलें

अजित पवार ने विद्रोह के बाद एनसीपी के नाम के साथ-साथ चुनाव चिह्न पर भी दावा ठोका है। विधायक दल पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए विधायक दल के नेता का पद महत्वपूर्ण हो गया है।

**मुंबई।** अजित पवार ने करीब एक महीना पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से बगावत कर महाराष्ट्र की भाजपा और शिंदे नीत शिवसेना गठबंधन में शामिल हो गए। उनके साथ आठ विधायकों को भी मंत्री बनाया गया। अब सियासी गलियारे में इस बात की भी चर्चा है कि जल्द ही महाराष्ट्र के एनसीपी अध्यक्ष जयंत पाटिल भी जूनियर पवार के कैंप में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों ने कहा है कि पाटिल ने अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस के साथ इस विषय पर कई बैठकें की हैं। हालांकि, पाटिल ने कहा कि फिलहाल वह ऐसा कोई कदम उठाने नहीं जा रहे हैं। अजित पवार ने विद्रोह के बाद एनसीपी के नाम के साथ-साथ चुनाव चिह्न पर भी दावा ठोका है। विधायक दल पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए विधायक दल के नेता का पद महत्वपूर्ण हो गया है। जयंत पाटिल पहले ही स्पीकर राहुल नार्वेकर को पत्र लिखकर अजित पवार और आठ अन्य विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग कर चुके हैं।

अयोग्य ठहराए जाने का खतरा के कारण एनसीपी के अधिकांश विधायकों ने एनसीपी के किसी भी गुट के प्रति वफादारी का प्रदर्शन करने से बचते

जर आ रहे हैं। उन्होंने पूरे मॉनसून सत्र के दौरान सदन में उपस्थित नहीं होने का फैसला किया। सत्तारूढ़ सरकार में पाटिल का शामिल होना न केवल यह पुष्टि करने के लिए महत्वपूर्ण है कि अधिकांश एनसीपी विधायकों का समर्थन अजीत पवार को प्राप्त है, बल्कि पार्टी पर दावा करने के लिए भी यह महत्वपूर्ण है।

**पाटिल ने अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस के साथ इस विषय पर कई बैठकें की हैं। हालांकि, पाटिल ने कहा कि फिलहाल वह ऐसा कोई कदम उठाने नहीं जा रहे हैं। अजित पवार ने विद्रोह के बाद एनसीपी के नाम के साथ-साथ चुनाव चिह्न पर भी दावा ठोका है। विधायक दल पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए विधायक दल के नेता का पद महत्वपूर्ण हो गया है। जयंत पाटिल पहले ही स्पीकर राहुल नार्वेकर को पत्र लिखकर अजित पवार और आठ अन्य विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग कर चुके हैं।**

इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि जयंत पाटिल को अजीत पवार और फडणवीस के साथ बैठक के लिए बुलाया गया था। उन्हें आगामी कैबिनेट विस्तार में वर्तमान सरकार में मंत्री पद की पेशकश की गई। विधानसभा सत्र के दौरान अजित पवार ने हल्के-फुल्के अंदाज में जयंत पाटिल पर ताना भी मारा।

जयंत पाटिल ने हालांकि कहा है कि शरद पवार का साथ छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा, हम एक-दूसरे को वर्षों से जानते हैं और दोस्ताना बातचीत होना स्वाभाविक है, जो भविष्य में भी जारी रह सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं कहीं जा रहा हूं। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार में शामिल होने को लेकर उनके और सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों के बीच कथित बैठकों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

दिलचस्प बात यह है कि अजित पवार ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जयंत पाटिल के पांच साल से अधिक के कार्यकाल को अपने चाचा से अलग होने के लिए बहाने के तौर पर इस्तेमाल किया था। दोनों नेताओं को पार्टी के भीतर प्रतिस्पर्धी के तौर पर देखा जाता रहा है। बगावत के बाद से ही जयंत पाटिल शरद पवार के साथ बने हुए हैं।

## कश्मीर के लोगों को मनमर्जी से जीने का हक मिला : सिन्हा

**श्रीनगर।** केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का मानना है कि संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35 ए के निष्प्रभावी होने के बाद से अब तक घाटी के आम लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है तथा उन्हें हर तरह के खौफ और दबाव से आजाद होकर अपनी मनमर्जी से जीने से हक मिला है।

श्री सिन्हा ने संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35 ए के निष्प्रभावी होने की तीसरी वर्षगांठ और उनके कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के मौके पर कल देर शाम राष्ट्रीय मीडिया के कुछ प्रमुख पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जम्मू कश्मीर खास तौर पर कश्मीर घाटी के लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव आया है। सड़कों पर होने वाली हिंसा पूरी तरह से समाप्त हो गई है। पहले साल के 150 से अधिक दिन बंद आयोजित होते थे। आतंकवादी एवं अलगावादी संगठनों के इशारे पर होने वाले बंद से संस्थान, कारोबार, बसें, यातायात आदि ठप्प रहता था। अंधेरा होने से पहले घर पहुंचना होता था। लेकिन अब वह इतिहास की बात हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि आज लोग देर रात तक डल झील और झेलम नदी के किनारे आइसक्रीम खाते हुए और गिटार बजाते नज़र आते हैं। उनमें अब कोई खौफ नहीं है। आम लोगों को अपनी मनमर्जी से जीने का हक मिला है और अब यहां किसी का डिक्टेट नहीं चलता है। उपराज्यपाल ने कहा कि इस साल मुहर्रम का जुलूस 34 साल बाद निकाला गया और शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसी भी धार्मिक आयोजन अथवा यात्रा शांति पूर्ण ढंग से करने की पूरी अनुमति है। पर भारत की एकता और अखंडता से किसी भी तरह से समझौता नहीं किया जाएगा। घाटी में लक्षित हिंसा की घटनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं छिटपुट ही हुई हैं। लेकिन लोगों की अपेक्षा है कि नरेंद्र मोदी के शासन में एक भी घटना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम लागू है। प्रदेश में 360 डिग्री की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। पहले घाटी में शांति खरीदी जाती थी और अब शांति स्थापित की जा रही है। आतंकवाद के पूरे पारिस्थितिकीय तंत्र को नेस्तनाबूद कर दिया गया है।

सिन्हा ने जनता से अपील की है कि वे आतंकवाद के ध्वंसावशेष को समाज से दूर कर दें। सुरक्षा बल उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचा देंगे।

## नहीं देंगे तहखाने की चाबियां, ज्ञानवापी सर्वे में मुस्लिम पक्ष की जिद के बाद नया विवाद

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने आज तीसरे दिन वैज्ञानिक सर्वेक्षण का काम शुरू कर दिया है। संभावना है कि सर्वे टीम आज तहखाने में जाकर सर्वे करेगी। इसबीच, मुस्लिम पक्ष ने तहखाने की चाबियां सर्वे टीम को सौंपने से इनकार किया है और कहा है कि जो भी कमरा देखना है, उसे खोल दिया जाएगा। इससे नया विवाद खड़ा हो गया है। सामना के मुताबिक, मुस्लिम पक्षकारों के वकील मुमताज अहमद ने कहा कि हम सर्वे में पूरा सहयोग कर रहे हैं लेकिन हम उन्हें बेसमेंट (तहखाने) की चाबी नहीं देंगे। बतौर अहमद, टीम जिस भी दरवाजे को खोलने कहेगी, उसे खोल देंगे। अहमद ने बताया कि मस्जिद के ऊपरी हिस्से में अभी भी सर्वे जारी है। शनिवार को भी तहखाने का सर्वे शुरू नहीं हो सका था, क्योंकि मुस्लिम पक्ष ने तहखाना का ताला खोलने या चाबी देने से इनकार कर दिया था। उनके मुताबिक, तहखाना में कूड़ा और मिट्टी जमा होने के कारण अभी तक उसका सर्वे शुरू नहीं किया जा सका है। इसलिए तहखाने को खोलकर सफाई कराई जाएगी। इधर, सरकारी वकील राजेश मिश्रा ने कहा है कि रविवार को तहखाने का सर्वे किया जाएगा। शनिवार को हिंदू चिन्ह और प्रतीक

मिलने का दावा हिंदू पक्ष के वकील अनुपम द्विवेदी ने किया। टीम ने जीएनएसएस मशीन से तहखाने का थ्री-डी इमेज तैयार किया है। यह मशीन सेटेलाइट की मदद से संचालित होती है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता ने बताया कि सर्वे की टीम मस्जिद परिसर के केंद्रीय गुंबद के हाल में जहां नमाज पढ़ी जाती है, उसका सर्वे किया गया और उस जगह की फोटोग्राफी और मैपिंग की गयी। उन्होंने बताया कि ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे टीम ने व्यास परिवार के कब्जे वाले तहखाने का भी सर्वे किया, लेकिन मुस्लिम पक्ष के कब?जे वाले दूसरे तहखाने में सर्वेक्षण की टीम अभी पहुंच नहीं पाई है। उन्होंने बताया कि ज्ञानवापी परिसर में कुल चार तहखाने हैं, जिसमें से एक व्यास परिवार के कब्जे में है और दूसरा मुस्लिम पक्ष के कब्जे में है। बाकी दो तहखानों में मलबा भरा हुआ है। शनिवार को दिन भर हुए सर्वे के दौरान दोनों पक्षों के वकील सर्वे टीम के साथ थे। हालांकि, शुक्रवार को हुए सर्वे कार्य में मुस्लिम पक्ष शामिल नहीं हुआ था। रविवार को सुबह से शाम पांच बजे तक सर्वे होगा। हिन्दू पक्ष की एक वादी सीता साहू ने परिसर से बाहर आ कर बताया कि ज्ञानवापी परिसर के पश्चिमी दीवार पर आधी पशु और आधी देवता की मूर्ति दिखी। तहखाने में भी टूटी-फूटी मूर्तियां और खम्भे पड़े दिखे। इस बीच, मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता तौहीद खान ने बताया कि शनिवार को जारी सर्वे कार्य के दौरान अधिवक्ता अखलाक और मुमताज सहित मुस्लिम पक्ष के पांच लोग एएसआई टीम के साथ मौजूद हैं।

## गोदावरी जिले में बड़ा सड़क हादसा, नहर में कार गिरने से तीन छात्रों की मौत; कई घायल

**नई दिल्ली।** रविवार तड़के आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में एक कार दुर्घटनाग्रस्त होने से बड़ा हादसा हो गया। पुलिस ने कहा कि इस हादसे में तीन कॉलेज छात्रों की मौत हो गई।

**घूमने के लिए निकले थे 10 छात्र**

पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि कार तेज गति से चलाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, पास के एलुरु जिले के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ने वाले 10 छात्रों के एक समूह ने शनिवार की रात पूर्वी गोदावरी जिले के झरने और समृद्ध जैव विविधता वाले प्रकृति केंद्र मारेडूमिली की सैर करने निकला था।

**हादसे में तीन छात्रों की मौत**

पुलिस ने बताया कि शनिवार आधी रात को उनकी कार सड़क से उतर गई और पूर्वी गोदावरी जिले के बुरुगुपुडी गेट पर एक नहर में गिर गई। मृतकों की पहचान हर्षवर्धन, हेमंत और उदय किरण के रूप में की गई, जबकि वाहन में सवार बाकी लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और मामले की जांच की जा

रही है।

**बस खाई में गिरने से बड़ा हादसा**

झारखंड के गिरिडीह में एक बस अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत की सूचना है, वहीं कई लोग घायल हैं। पुलिस ने बताया कि जिस दौरान यह हादसा हुआ, उस समय बस में करीब 30 लोग सवार थे। बस अनियंत्रित होकर सड़क पर बने डिवाइडर को तोड़ते हुए लगभग 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी।

# राहुल गांधी की कब होगी लोकसभा में वापसी?

- **कोर्ट के आदेश की प्रति मिलने के बाद ही लोकसभा सचिवालय निलंबन रद्द करने पर विचार करेगा। लोकसभा के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने का अनुरोध करते हुए कहा किआदेश का अध्ययन किया जाएगा और निर्णय लिया जाएगा।**

**नई दिल्ली।** मोदी सरनेम केस में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाने के बाद हर किसी के मन में एक ही सवाल गूंज रहा है कि आखिर राहुल गांधी की सदस्यता कब बहाल होगी। वह संसद में कब आएंगे? इस मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार तक संसद में लौटने के पात्र हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आपराधिक मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगा दी है। इससे सदन में उनकी सदस्यता बहाल का मार्ग प्रशस्त कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि लोकसभा सचिवालय को पहले एक नोटिस जारी करना होगा जिसमें कहा जाएगा कि अदालत के फैसले के बाद राहुल गांधी का निलंबन हटा दिया गया है। कोर्ट के आदेश की प्रति मिलने के बाद ही लोकसभा सचिवालय

निलंबन रद्द करने पर विचार करेगा। लोकसभा के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने का अनुरोध करते हुए कहा किआदेश का अध्ययन किया जाएगा और फिर निर्णय लिया जाएगा। इस बात की संभावना है कि राहुल गांधी लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास पर मंगलवार को शुरू होने वाली दो दिवसीय बहस से एक दिन पहले संसद में लौट सकते हैं। इसके बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जवाब होगा। इस प्रस्ताव से सरकार को कोई खतरा नहीं है। विपक्ष ने कहा है कि वह मणिपुर में जारी हिंसा पर सरकार को घेरने की कोशिश के लिए बहस का इस्तेमाल करना चाहता है। आपको बता दें कि इससे पहले 20 जुलाई 2018 को मोदी सरकार के खिलाफ पहला अविश्वास प्रस्ताव गिर गया था। उस प्रस्ताव पर बहस के दौरान राहुल गांधी सत्ता पक्ष की ओर बढ़े और पीएम मोदी को गले लगाया। राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाते हुए न्यायमूर्ति बीआर गवई और पीएस नरसिम्हा की पीठ ने कहा कि राहुल गांधी को उनकी सार्वजनिक प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए टिप्पणी करने में अधिक सावधान रहना चाहिए था। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत उन्हें केवल दो साल की जेल की सजा के कारण सांसद के रूप में अयोग्य ठहराया गया था। सजा एक दिन भी कम होने पर उनकी सदस्यता बच जाती। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी की सजा पर रोक तब तक लागू रहेगी जब तक कि गुजरात सेशन कोर्ट में उनकी अपील लंबित है।

बुधवार को एक हलफनामे में राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह 2019 में एक चुनावी रैली में अपनी टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पूर्णेश मोदी द्वारा उनके खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले को खत्म करने के लिए माफी नहीं मांगेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सजा टिकाऊ नहीं है। इस सजा पर रोक के साथ राहुल गांधी को अगले साल होने वाले लोकसभा लड़ने की भी अनुमति मिल जाएगी।

# औसतन हर साल दो जज दे रहे इस्तीफा, जानें- किस बात से सबसे ज्यादा खफा 'मी लॉर्ड'

**नई दिल्ली।** पिछले दिनों बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर खंडपीठ के न्यायाधीश जस्टिस रोहित बी देव ने ओपन कोर्ट में कथित तौर पर यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया कि वह आत्मसम्मान से समझौता नहीं कर सकते। जस्टिस देव को जून 2017 में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था, जब वह महाराष्ट्र के महाधिवक्ता थे। अप्रैल 2019 में उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह 4 दिसंबर, 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले थे। हालांकि, जस्टिस देव ऐसे पहले जज नहीं हैं, जिन्होंने रिटायरमेंट से पहले ही पद छोड़ा है। आंकड़ों पर गौर करें तो पाते हैं कि वर्ष 2017 के बाद से विभिन्न हाई कोर्ट्स के कम से कम 12 जजों ने अपने पदों से इस्तीफा दिया है। यानी औसतन हर साल दो जज ने इस्तीफा दिया है। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट सबसे आगे हैं, जहां सबसे ज्यादा जजों ने इस्तीफा दिया है। यदि अतिरिक्त न्यायाधीशों के इस्तीफों को शामिल कर लिया जाए तो यह संख्या 16 हो जाती है। जजों के पद छोड़ने या इस्तीफा देने के कारणों में अधिकांश ने इसे स्वैच्छिक और व्यक्तिगत कारण बताए हैं, जबकि उनमें से कुछ ने सेवा से संबंधित परिस्थितियों को कारण बताया है। कुछ जजों के कारणों में तबादला या मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति से इनकार शामिल है।

**2017 से अब तक इन जजों ने दिया इस्तीफा**

जस्टिस जयंत पटेल (2017);
जस्टिस नक्का बालयोगी (2018);
जस्टिस वी ताहिलरमानी (2019);

जस्टिस अनंत बिजय सिंह (2020);
जस्टिस एससी धर्माधिकारी (2020);
जस्टिस संगीता ढींगरा सहगल (2020);
जस्टिस सुनील कुमार अवस्थी (2021);
जस्टिस शरद कुमार गुप्ता (2021);
जस्टिस दामा शेषाद्रि नायडू (2021);
जस्टिस अजय तिवारी (2022);
जस्टिस चंद्र भूषण बारोवालिया (2022);
जस्टिस रोहित बी देव (2023)

हालिया इस्तीफा देने वाले अंतिम जज जस्टिस रोहित देव हैं, जिन्होंने शुक्रवार सुबह खुली अदालत में अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह 'व्यक्तिगत कारणों' से पद छोड़ रहे हैं। हालाँकि, ऐसी अटकलें हैं कि उन्होंने स्थानांतरण की संभावना के कारण इस्तीफा दिया है। वह अपने मूल उच्च न्यायालय को नहीं छोड़ना चाहते थे। जस्टिस जयंत पटेल ने चीफ जस्टिस न बनाकर दूसरे हाईकोर्ट में भेजे जाने से खफा होकर 2017 में इस्तीफा दे दिया था। तब वह कर्नाटक हाई कोर्ट में तैनात थे। वह मूलत- गुजरात हाईकोर्ट से थे। 2018 में हैदराबाद हाई कोर्ट के जस्टिस नक्का बालयोगी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया थाष राष्ट्रपति ने उसे स्वीकार भी कर लिया था लेकिन इस्तीफा प्रभावी होने की तारीख से पहले उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया था। इस्तीफा देने वालों में दो महिला जज भी शामिल हैं। जस्टिस वी ताहिलरमानी ने 2018 में मद्रास हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस बनाई गई थीं। 11 महीने बाद ही उनका तबादला मेघालय कर दिया गया था, इससे नाराज होकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। बाद में देश की चीफ जस्टिस ने उनके खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। एक अन्य महिला जज जस्टिस संगीता ढींगरा सहगल ने अपने रिटायरमेंट से एक महीने पहले ही मई 2020 में इस्तीफा दे दिया था। तब वह दिल्ली हाई कोर्ट में तैनात थीं।

# सम्पूर्ण प्रदेश में जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा महिलाओं के हित एवं संरक्षण कानून से सम्बन्धित साक्षरता शिविरों का समापन कार्यक्रम सम्पन्न

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय व कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली के सहयोग से सम्पूर्ण प्रदेश में जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा महिलाओं के हित एवं संरक्षण कानून से सम्बन्धित साक्षरता शिविरों के आयोजन कार्यक्रमों का समापन समारोह रविवार को जे0टी0आर0आई0, गोमती नगर, लखनऊ के प्रेक्षागृह में किया गया। इसका उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर माननीय मुख्य न्यायमूर्ति श्री प्रीतिंकर दिवाकर, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद व मुख्य संरक्षक, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, रेखा शर्मा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस



अवसर पर न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने अपने उद्बोधन में महिलाओं के अधिकारों एवं महिला सशक्तीकरण के सम्बन्ध अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का क्षेत्र व्यापक हो गया है। छोटे विवादों को सुलह–समझौते से निपटाकर उन्हें न्यायालय आने से रोकने का प्रयास करना चाहिए। समाज के विकास के लिए समाज के सभी वर्गों का विकास आवश्यक है क्योंकि हम सभी एक डोर से बंधे हुए हैं। इसको प्राप्त करने के लिए हमें विधि के शासन को स्वीकार करना होगा। विधिक सहायता एवं जागरूकता एक नियमित प्रक्रिया है। उन्होंने विधि के समक्ष समानता के संवैधानिक उपबंध का उल्लेख करते हुए महिलाओं को न्यायपूर्ण स्थान देने की बात पर बल दिया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा और जागरूकता पर बल दिया। साथ ही बंदियों के हितार्थ योजनाओं और न्यायिक निर्णयों को लागू करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की सार्थकता तभी होगी जब महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों का ज्ञान हो इसके लिए जरूरतमंदों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना अति आवश्यक हैं। माननीय मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद व मुख्य संरक्षक, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हम सभी को महिला सशक्तिकरण की सार्थकता के लिए इस रूढ़िवादी सोच को त्यागना होगा जो संपत्ति में महिलाओं को अधिकार देने से वंचित करती है। उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं के उत्थान की दिशा में हम धीरे–धीरे प्रगति की ओर अग्रसर है। इसे रेखांकित करते हुए बताया कि न्यायिक सेवाओं में पुरूषों के सापेक्ष महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। न्यायमूर्ति द्वारा मुख्य अतिथि एवं सभी प्रतिभागियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर सुश्री संतोष स्नेही मान, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, विनोद सिंह रावत, निदेशक, जे0टी0आर0आई, राजीव भारती, महानिबंधक, उच्च न्यायालय, विवेक, वरिष्ठ निबंधक, उच्च न्यायालय, खण्डपीठ लखनऊ,संजय सिंह–I सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, सुश्री मीनाक्षी नेगी, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग, रजिस्ट्री के अधिकारीगण, प्रदेश के परिवार न्यायालयों के न्यायाधीशगण एवं सचिव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रतिभागियों के रूप में प्रदेश की महिला डाक्टरों, महिला एवं बाल विकास अधिकारियों, आशा कार्यकत्री, आंगनबाड़ी मुख्य सेविकाएं, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों, विधि छात्राओं आदि ने भाग लिया। सदस्य सचिव संजय सिंह–1 ने अवगत कराया कि 12 जुलाई 2023 से 31 जुलाई 2023 तक सम्पूर्ण प्रदेश में जिला विधिक सेवा प्राधिकरणोंद्वारा महिलाओं के हित एवं संरक्षण कानून से सम्बन्धित 247 साक्षरता शिविरोंका आयोजन किया गया। लगभग 18000 महिलाओं को उनके अधिकारों एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर तथा भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं हेतु चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओंकी जानकारी प्रदान कर उन्हें सम्मान जनक जीवन जीने के लिए पथ प्रदर्शन किया गया।

## बैट्री रिक्शा चोरी

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आलमबाग थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े बेखौफ चोरो ने मिष्ठान दुकान के सामने खड़ी बैट्री रिक्शा चोरी हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आलमबाग क्षेत्र के मिल रोड मवैया निवासी आनंद तिवारी पुत्र स्व दशरथ तिवारी के मुताबिक शनिवार को वह अपनी बैटरी रिक्शा संख्या यूपी 32 एनएन 3548 करीब 3:00 बजे मवैया तिराहे पर एक मिष्ठान दुकान के सामने खड़ी कर अपने घर चला गया था करीब आधे घंटे बाद वापस लौटा तो बैटरी रिक्शा अपने स्थान से गायब था जिसे काफी तलाशा लेकिन रिक्शा नहीं मिला। जिसपर पीड़ित ने स्थानीय थाने पर शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात चोरो के खिलाफ चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# सघन मिशन इंद्रधनुष (आई0एम0आई0) 5.0 के शुभारम्भ पर मीडिया कार्यशाला आयोजित

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के समस्त जनपदों में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 0 से 5 वर्ष तक के छूटे हुए बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को समस्त वंचित आवश्यक खुराकों से आच्छादित कर पूर्ण रूप से प्रतिरक्षित करने के लिए सघन मिशन इन्द्रधनुष–5.0 का 07 अगस्त से शुभारंभ दिसंबर, 2023 तक मीजिल्स रूबेला के उन्मूलन हेतु स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध सघन मिशन इंद्रधनुष (आई0एम0आई0) 5.0 उत्तर प्रदेश में 7 अगस्त, 2023 को लॉन्च किया जाएगा। यह अभियान राज्य के सभी 75 जिलों में तीन चरणों (7–12 अगस्त), (11–16 सितंबर) और (9–14 अक्टूबर) 2023 में आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के तहत टीकाकरण कवरेज के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए 0–5 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए सभी छः कार्य दिवसों पर टीकाकरण किया जाएगा। आई0एम0आई0–5.0 के लॉन्च और जन–जागृति लाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश और स्वयंसेवी संगठन यूनिसेफ के सहयोग से रविवार 06–08–2023 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय, 16–ए0पी0 सेन मार्ग, चारबाग, लखनऊ में मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ0 पिंकी जोवल, आई0ए0एस0 की अध्यक्षता में मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रभारी महानिदेशक परिवार कल्याण डा0 शालिनी गुप्ता, डा0 संदीपा श्रीवास्तव, अपर निदेशक, यू0आई0पी0, राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ0 अजय कुमार गुप्ता, और महाप्रबंधक नियमित टीकाकरण, डॉ0 मनोज कुमार शुक्ल ने प्रतिभाग किया। आज की मीडिया कार्यशाला में वार्ता करते हुए मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश डॉ0 पिंकी जोवल ने मीडिया की सक्रिय भागीदारी का आहवान करते हुए कहा कि सघन मिशन इन्द्रधनुष–5.0 में प्रत्येक बच्चे को जीवन रक्षक टीके मिलें, इसके लिए 5 वर्ष की आयु तक के टीकाकरण से वंचित बच्चों को समस्त ड्यू खुराकें देनें और लक्षित गर्भवती महिलाओं को लक्ष्य में शामिल किया गया है। मिजिल्स रूबेला उन्मूलन के दृष्टिगत विशेष रूप से एम0आर0–1 एवं 2 के साथ ही पी0सी0वी0, एफ0आई0पी0वी0–3 डी0पी0टी0–1 बूस्टर एवं डी0पी0टी0–5 वर्ष एवं टी0डी0 10व16 खुराक के कवरेज में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस पहल का लक्ष्य दिसंबर 2023 तक देश के खसरा रूबेला उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में खसरा और रूबेला युक्त वैक्सीन (एम0आर0सी0वी0) की दो खुराक का 95 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज प्राप्त करना है। शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण के स्तर में कमी को पूरा करने के लिए सभी जिला चिकित्सालयों, सरकारी शहरी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दैनिक टीकाकरण की सुविधा भी शुरू की गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए जा रहे निःशुल्क टीकाकरण से किसी भी परिवार में मात्र एक बच्चे के लिए टीकाकरण कराने पर औसतन 15 से 20 हजार रूपये की आर्थिक बचत के साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं उनकी उत्पादकता में सुधार होता है। उत्तर प्रदेश सरकार उन छूटे हुए या आंशिक रूप से प्रतिरक्षित बच्चों का टीकाकरण करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है, जो कोविड महामारी के दौरान टीकाकरण से चूक गए थे। छूटे हुए बच्चों को कवर करने के लिए जनवरी, फरवरी और मार्च 2023 में राज्य भर में विशेष टीकाकरण अभियान आयोजित किए गए।कार्यशाला के दौरान अवगत कराया गया कि नियमित




टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत बाल मृत्यु–दर को कम करने के उद्देश्य से बच्चों को विभिन्न संक्रमणों एवं जानलेवा बीमारियों से बचाव हेतु विभिन्न प्रकार के टीकों से आच्छादित किया जाता है। प्रदेश के समस्त जनपदों में आई0एम0आई0–5.0 के आयोजन से पूर्व समस्त ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण से छूटे हुए 0–5 साल तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के चिन्हीकरण हेतु आशा/लिंक वर्कर द्वारा घर–घर भ्रमण कर 2.32 करोड बच्चों तथा 3.88 लाख गर्भवती महिलाओं से सम्बन्धित सूचना निर्धारित प्रपत्र पर अंकित किया गया। आशा द्वारा एवं ऐसे क्षेत्र जहां आशा के पद रिक्त हैं, में लिंक वर्कर द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर सर्वे करते हुए आई0एम0आई0–5.0 सत्रों को नियोजित करने के लिए ए0एन0एम0 के माध्यम से ब्लॉक स्तर पर सूचनाएं प्रेषित की जाएंगी। ब्लॉक स्तर पर संकलित सूचना के आधार पर आई0एम0आई0–5.0 हेतु कार्ययोजना तैयार की गयी हैं। कार्ययोजना तैयार करते समय ऐसे पुरवे, मजरे, टोले, मोहल्ले, ईट–भट्टे, घुमन्तू/प्रवासी बाहुल्य क्षेत्र/अन्य स्थान जहां पर छूटे हुए बच्चों की संख्या अधिक है, में अभियान के दौरान विशेष रूप से टीकाकरण सत्र आयोजित किये जा रहे हैं। आई0एम0आई0–3.0 और आईएमआई 4.0 के पिछले दौर ने भारत को 2021 और 2022 में टीकाकरण कवरेज में महत्वपूर्ण प्रगति करने में मदद की है। जैसा कि राष्ट्रीय टीकाकरण कवरेज (डब्ल्यूयूएनआईसी) रिपोर्ट के नवीनतम डब्ल्यू0एच0ओ0 और यूनिसेफ अनुमानों से पता चला है। देश ने 2021 में शून्य खुराक वाले बच्चों की संख्या को 2.7 मिलियन से सफलतापूर्वक घटाकर 1.1 मिलियन कर लिया है। यह उपलब्धि भारत को विश्व स्तर पर वैक्सीन के प्रति सबसे अधिक विश्वास वाले देशों में रखते हुए टीकाकरण के प्रति देश की अटूट प्रतिबद्धता को भी उजागर करती है। आई0एम0आई0–5.0 अभियान हेतु कार्य योजना के संबंध में राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डा0 अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि बुधवार एवं शनिवार को नियमित टीकाकरण सत्र निर्धारित माइक्रोप्लान के अनुसार यथावत् संचालित होंगे। दिनांक 07–12 अगस्त, 11–16 सितम्बर एवं 9–14 अक्टूबर, 2023 के मध्य सप्ताह के शेष दिवसों में अप्रतिरक्षित बच्चों की सूची के आधार पर आई0एम0आई0–5.0 अभियान के सत्र आयोजित किए जाएंगे। जनपदों को यह भी सुनिश्चित करने को निर्देशित किया गया है कि अभियान के दौरान स्थानीय अवकाश अथवा किसी अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रम के संचालन के फलस्वरूप टीकाकरण कार्यक्रम बाधित होने की दशा में अग्रेतर दिवसों पर टीकाकरण सत्रों का आयोजन कर आई0एम0आई0–5.0 के समस्त नियोजित सत्रों का सम्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। इस अभियान की तैयारियों की समीक्षा राष्ट्रीय स्तर के पर्यवेक्षकों द्वारा की जा चुकी है। 31 उच्च प्राथमिकता वाले जनपदों में टीकाकरण की प्रगति की जांच के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किये गए हैं। प्रदेश के 10 जनपदों में राष्ट्रीय स्तर से पर्यवेक्षक आकर टीकाकरण की स्थिति परखेंगे. टीकाकरण की दर बढाने के लिए जिलाधिकारियों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, धर्मगुरुओं, फिल्मी सितारों और समाज में प्रभावशाली लोगों द्वारा अपील जारी की गयी हैं। टीकाकरण के प्रति उदासीनता दिखाने वाले वाले लगभग 01 लाख परिवारों को यूनिसेफ, कोर, आशाओंऔर धर्मगुरूओं के सहयोग से प्रेरित कर टीकाकरण के इस महा–अभियान में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

आई0एम0आई0–5.0 हेतु राज्य में 1,305 कोल्ड चेन प्वाइंट पर पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी के समन्वय से अभियान की तैयारियों की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डी0टी0एफ0 का आयोजन, जनपद ब्लाक स्तरीय संवेदीकरण कार्यशालाएं, आशाओं व लिंक वर्कर द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का निर्धारित प्रारूप एवं ई–कवच पर सर्वे अपडेशन, शहरी प्लानिंग यूनिट्स एवं ब्लाक प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा आई0एम0आई0 5.0 अभियान के सत्रों हेतु माइक्रोप्लानिंग का कार्य किया जा चुका है। प्रशिक्षित ए0एन0एम0 द्वारा आई0एम0आई0–5.0 के दौरान पूरे उत्तर प्रदेश में 1.25 लाख से अधिक टीकाकरण सत्रों की योजना बनाई गई है। अभियान का लक्ष्य 12.74 लाख बकाया लाभार्थियों को लक्षित करना है।

मिशन निदेशक महोदया ने अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं ए0एन0एम0, आशा एवं आंगनबाड़ी द्वारा एक स्वास्थ्य योद्धा के रूप में कार्य करते हुए उनके द्वारा प्रदेश के सभी नागरिकोंकी स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ मीडिया के प्रिंट, इलेक्ट्रानिक एवं सोशल मीडिया से जुड़े पत्रकार बन्धुओं एवं छायाकारों को भी प्रदेश के विकास एवं टीकाकरण अभियान में एक योद्धा के रूप में योगदान देने की अपील की। आग्रह किया कि भारत के विश्व गुरू बनने के लिए उत्तर प्रदेश का योगदान आवश्यक है। उत्तर प्रदेश के स्वस्थ्य बच्चे ही आने वाले भारत का भविष्य हैं। अतः हमें इस अभियान को एक सुअवसर के रूप में लेना होगा। निश्चित ही सफल टीकाकरण कार्यक्रम प्रदेश के भविष्य को सुरक्षित रखने में कारगर सिद्ध होगा।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

1. डॉ0 अजय गुप्ता (राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी, उत्तर प्रदेश) 8004387950
2. डॉ0 मनोज कुमार शुक्ला (महाप्रबंधक नियमित टीकाकरण, उत्तर प्रदेश) 9415004437
3. टोल फ्री नम्बर– 104

# ममिया ससुर ने जमीन विक्री के नाम पर दामाद को धोखे से ठगे 17 लाख रूपये

## जमीन न मिलने पर पैसा वापस मांगने पर मिली जान से मारने की धमकी,मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आलमबाग थाने पर एक दामाद ने अपने ममिया ससुर एवं उनके साथियों के खिलाफ जमीन दिलाने के नाम पर लाखो रूपये धोखे से हड़पने और जमीन न मिलने पर अपना पैसा वापस मांगने पर गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा लिखित शिकायत की है। शिकायत पर आलमबाग पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी ,अमानत में खयानत समेत गाली गलौज व धमकी की धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की जाँच में जुटी है।

आलमबाग थाना क्षेत्र के बलदेव खेडा मकान संख्या 548/पी–27 निवासी राजेश यादव पुत्र स्व बीएल यादव के मुताबिक वह पेशे से बिल्डर है वर्ष 2021 में आलमबाग थाने के पीछे उनका एसएनटी बिल्डिंग का कार्य चल रहा था इस दौरान उनके कार्य स्थल पर उनके साले के मामा आशियाना सेक्टर एन निवासी बृजभान सिंह यादव अपने साथी विवेक यादव के साथ अक्सर उनकी साईट पर आते थे इस उन्होंने सरोजनीनगर चंद्रावल में पांच बीघा जमीन विक्री की बात कहा और कहा कि अगर 25 लाख रूपये की व्यवस्था कर ले तो पांच बिस्वा जमीन इकरारनामा हो जायेगा। जिसपर वह तैयार हो गए थे जून 2021 अपने आईसीसीआई बैंक खाते से चेक द्वारा कई बार कुल 17 लाख नब्बे हजार रूपये देकर जमीन का इकरारनामा जिसपर विक्रेता के रूप में विकास पुत्र स्व राम आसरे निवासी ग्राम जहानाबाद पोस्ट निवा लखनऊ दर्शाया गया और क्रेता के रूप में राजेश कुमार यादव पुत्र बेचा लाल यादव ,विकास वर्मा पुत्र स्व घनश्याम वर्मा एवं मो जफर पुत्र मो उमर का नाम अंकित कराया गया। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने कई बार अपने ममिया ससुर से जमीन की रजिस्ट्री के लिए कहा लेकिन उन्हें वह टरकाते रहे लेकिन जमीन का रजिस्ट्री नहीं किया गया और न ही उन्हें जमीन पर कब्जा दिया गया। उसके ममिया ससुर अपराधी प्रवृत्ति के है और गुजरात में अपने साथियों संग फर्जी सीबीआई के अधिकारी बनने के नाम पर जेल भी जा चुके। जमीन न मिलने पर जब उन्होंने अपना पैसा वापस माँगा तो आरोपी उसके संग गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। पीडिता अपने आरोपी रिश्तेदार समेत उनके साथी विवेक यादव एवं विकास के खिलाफ नामजद लिखित शिकायत की है।पुलिस ने शिकायत धोखाधडी, अमानत में ख्यानत समेत गाली गलौज एवं धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जाँच में जुटी है।

## खबर एक नजर में

### किशोरी घर से लापता, परिजनों ने बहला फुसलाकर भगा ले जाने आरोपी युवक के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र में एक 16 वर्षीय किशोरी पिता की डांट से नाराज होकर घर से बिना बताए कहीं चली गई है। किशोरी के परिजनों ने खोजबीन करने के बाद स्थानीय थाने पर एक युवक पर पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए नामजद लिखित शिकायत की है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित भोला खेडा में रहने वाली एक 16 वर्षिय किशोरी पिता की डाट से नाराज होकर शनिवार को घर से किसी को बिना बताये कही चली गई है। गुमशुदा किशोरी के परिजनों ने शिवाम कुमार पुत्र कृष्ण कुमार पिंक सिटी बु)श्वर निवासी पर पुत्री को बहला फुसला कर भगा ले जाने का आरोप लगा शिकायत की है। पुलिस के मुताबिक गुमशुदा किशोरी के परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी की धारा में मुकदमा दर्ज कर तलाश किया जा रहा है।

### पूर्व प्रेमी ने प्रतियोगी छात्रा का फोटो अश्लील फोटो इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बना किया वायरल

***छात्रा ने छेड़छाड़ एवं बदनाम कर ब्लैकमेल करने का आरोप लगा उंच अधिकारियो से की शिकायत***

***अधिकारियो के आदेश पर आरोपी एवं उसके परिजनों के खिलाफ आशियाना थाने में मुकदमा दर्ज***

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने अपने पूर्व प्रेमी एवं उसके परिवारीजनो के खिलाफ उसे बदनाम करने का प्रयास एवं व्हाट्सअप डीपी पर उसकी फोटो लगाने एवं इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बना उसकी फोटो अश्लील फोटो के साथ वायरल करने का आरोप लगा पुलिस के उंच अधिकारियो से शिकायत की है। आधिकारी के आदेश पर आशियाना पुलिस आरोपी युवक एवं उसके परिवारीजनो के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आशियाना कार्यवाहक प्रभारी उपनिरीक्षक राजेन्द्र वर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती जो कि कोचिंग सेंटर से सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी कर रही है उसकी दोस्ती ममेरी बहन के देवर अलीनगर घैला थाना मड़ियांव निवासी सुशील वर्मा पुत्र राम गोपाल वर्मा से हो गया था सुशील अक्सर उससे फोन पर बात करता था और उसका कई फोटो भी अपने मोबाईल फोन में रखा था इसबीच उसकी ममेरी बहन का तलाक हो गया था जिसपर उसने युवक से बात करना बंद कर दिया था लेकिन आरोपी उसपर हमेशा दबाव बनाता था और कहता था कि वह उससे शादी करेगा यहाँ तक कि वह छात्रा का उसके कोचिंग तक पीछा करता था और छेड़छाड़ किया करता था। आरोप है कि आरोपी ने छात्रा की बुआ से कहा था कि वह उसकी शादी दुसरे जगह नहीं होने देगा और छात्रा को बदनाम कर देगा जबकि इस बीच वह दूसरी युवती के भी संपर्क में आ गया था इसके बावजूद वह उसका पीछा नहीं छोड़ रहा था बीते 9 जून को आरोपी उसका पीछा करते हुए जबरदस्ती पकड़ लिया था और उसे बदनाम करने की धमकी दी थी और 27 जुलाई को इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर उसकी फोटो अश्लील फोटो के साथ वायरल कर दिया। जबकि पीड़ित छात्रा के परिजनों ने कई बार आरोपी युवक एवं उसके परिजनों को फोटो डिलीट करने एवं आरोपी को समझाने की बात कहते रहे लेकिन आरोपी के परिजन भी उसका साथ देते रहे। इन हरकतों से तंग आकर छात्रा ने उंच अधिकारियो से आरोपी युवक एवं उसके परिवारीजनो के खिलाफ लिखित शिकायत की थी। जिसपर आशियाना पुलिस ने छेड़छाड़,गाली गलौज,धमकी समेत आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की कार्यवाई में जुटी है।

### भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के पदाधिकारी का किया गया सम्मान

खबर दृष्टिकोण



लखनऊ। कृष्णा नगर के अंतर्गत हिन्द नगर प्रथम वार्ड एलडीए कालोनी सेक्टर सी-1के निवासी संस्था के उत्तर प्रदेश विशेष कार्याधकारी मुन्नू लाल त्रिपाठी व उनकी पत्नी जनक लली त्रिपाठी को संस्था में निरन्तर सक्रियता बनाये रखने व निष्ठापूर्ण तरीके से संस्था के प्रति समर्पित कार्यशैली को देखते हुए ,भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ने मित्रता दिवस के अवसर पर संस्था के उ.प्र,विशेष कार्याधिकारी मुन्नू लाल त्रिपाठी को उनकी पत्नी जनक लली त्रिपाठी की उपस्थिति में अंगवस्त्र भेंट कर गणेश प्रतिमा दे कर सम्मानित किया जिससे कि संस्था के अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों को एक अच्छा संदेश भी प्राप्त हो सके,इसी प्रकार संस्था में निरन्तर सराहनीय व प्रशंसनीय कार्य व संस्था के प्रति जागरूकता फैलाने वाले को संस्था द्वारा समय समय पर सम्मानित भी किया जाता है ।

### प्रतापगढ़ जीआरपी पुलिस लापता युवक को सकुशल बरामद कर किया परिजनों के सुपुर्द

खबर दृष्टिकोण



लखनऊ, प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन जीआरपी थाने पर बीते 28 जुलाई को 18 वर्षीय युवक के गुमसुदगी मामले में मुकदमा दर्ज युवक की तलाश में टीम गठित किया गया था। जीआरपी प्रभारी राकेश कुमार राय के मुताबिक रेलवे स्टेशन प्रतापगढ़ से बीते 24 जुलाई को एक 18 वर्षीय युवक गुम हो गया था जिसकी तलाश की जा रही थी। सर्विलांस के सहयोग और लोगो की सूचना पर गुम हुए युवक को रविवार को सकुशल बरामद किया गया है। परिजनों को सूचना दे युवक को उनके सुपुर्द कर दिया गया है। अपने गुम हुए बेटे को वापस पाकर परिजनों की आँखे नम हो गई थी और जीआरपी पुलिस की खूब प्रसंसा करते हुए सराहना की है।

### बहन की मौत पर भाई ने ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या का दर्ज कराया मुकदमा

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। मड़ियांव थाना क्षेत्र में रहने वाले एक भाई ने अपनी नवविवाहिता बहन को दहेज के लिए प्रताड़ित करने एवं मानसिक दबाव बना उसकी हत्या कर देने का आरोप लगा स्थानीय थाने पर शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज प्रथा एवं दहेज हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

**मूलरूप से ग्राम तिर्वा थाना तिर्वा जनपद कन्नौज निवासी**

शिवम राजपूत पुत्र स्व0 रामबाबू राजपूत के मुताबिक उन्होंने जून 2022 में अपनी बहन पायल राजपूत का विवाह पवन राजपूत पुत्र स्व0 मुलायम राजपूत निवासी कल्याणपुर थाना ठठिया के साथ हिन्दू रीति रिवाज से किया था और विवाह में अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान दहेज भी दिया था। शनिवार को उनकी छोटी बहन के पास पायल राजपूत का फोन आया कि उसके ससुराल वाले बहुत प्रताड़ित कर रहे है व धमकी दे रहे है कि पांच लाख रूपये और एक कार अपने मायके वालो से मांगकर दो नहीं तो कुछ भी हो सकता है, इसके बाद फोन कट गया। दोबारा शाम समय बहन के नंबर पर पति पवन राजपूत ने कश्वल कर बताया कि पायल राजपूत ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। इस सूचना पर वह अपने परिवारीजन के साथ अपने बहन के ससुराल पहुंचा तो वहां कोई नहीं मिला। बाद में पता चला कि बहन का शव लखनऊ मर्चरी में है। जिसपर जब लखनऊ पहुंचे तो बहन के ससुराल वाले उसको और परिवार वालो को धमकी देने लगे कि कोई कार्यवाही की तो ठीक नहीं होगा। पवन राजपूत की बुआ सीता, भाई राजू, शिवम, रणवीर, पून्ने व पवन राजपूत ने मिलकर बहन को मानसिक रूप से दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करते थे। पीड़ित भाई की शिकायत पर मड़ियांव पुलिस ने पति समेत आरोपी ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज प्रथा व दहेज हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

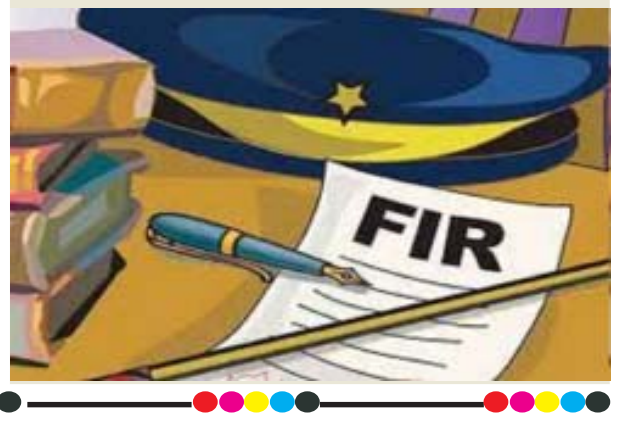

# घर में विस्फोट के बाद कमरे व शौचालय की छत के उड़े परखच्चे,50मीटर दूर तक फैला मलबा

## बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर की गहनता से जांच पड़ताल

### नगराम के हरदोईया बाजार में स्थित एक घर में रखे विस्फोट के बाद कमरे व शौचालय की छत के उड़े परखच्चे,पड़ोसियों का आरोप घर में रखे पटाखो से हुआ विस्फोट

मोहनलालगंज।नगराम थाना क्षेत्र के हरदोईया बाजार में स्थित एक घर में रविवार की दोपहर तेज आवाज के साथ विस्फोट हो गया।ध ामाका इतना तेज था कि घर के कमरे व शौचालय की छत के परखच्चे उड़ गये,धमाके बाद करीब एक किलोमीटर दूर तक आसमान में काले धुएं का गुब्बार फैल गया ओर आस–पास के घरो की दीवारो में दरारे आ गयी।पड़ोसियो ने आरोप लगाते हुये बताया दीपावली में केवल तीन दिनो तक पटाखा बिक्री का लाइंसेस होने के बाद भी अवैध रूप से बड़ी संख्या में घर में पटाखो का स्टाक रखा होने के चलते विस्फोट हुआ है। सूचना के बाद इंस्पेक्टर हेमंत कुमार राघव ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की।बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।हालाकि स्थानीय पुलिस ने आकाशीय बिजली घर में गिरने से विस्फोट होने की बात कही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगराम के हरदोईया बाजार में मुनव्वर अपनी पत्नी परवीन व दो बेटियों के साथ रहता है,वो दीपावली त्यौहार में लाइंसेस लेकर पटाखा बेचने का करता था। मुनव्वर मौजूद समय में पजांब मे सिलाई कढाई का काम करता है,उसके घर पर पत्नी परवीन समेत बेटिया रहती है।ग्रामीणो ने बताया त्यौहार में पटाखा बिक्री का बचा माल मुनव्वर के घर पर काटन में रखा था,रविवार की दोपहर तेज आवाज के साथ उसके घर में विस्फोट हो गया,जिसके चलते उसके घर व शौचालय की छत समेत टीनशेट के परखच्चे उड़ गये ओर मलबा करीब 50मीटर दूर तक जा गिरा,वही आस–पास बने पड़ोसियोध के मकानो की दीवारो में भी विस्फोट की वजह से दरारे आ गयी।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया धमाका इतना तेज था कि आसमान में करीब एक किलोमीटर दूर तक काले धुंए का गुब्बार नजर आने लगा था।विस्फोट के चलते पड़ोसी दहशत मेंआ गयेध।हालाकि विस्फोट से कोई हताहत नही हुआ।सूचना के बाद इंस्पेक्टर हेमन्त कुमार राघव ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। बम निरोधक दस्ते ने भी देर शाम पहुंचकर गहनता से जांच पड़ताल की है।डीसीपी विनीत जायसवाल ने बताया स्थानीय पुलिस की जांच में आकाशीय बिजली घर पर गिरने से विस्फोट होने की बात जांच में निकलकर सामने आयी है।फिर भी बम निरोधक दस्ते को मौके पर जांच के लिये भेजा गया था,टीम की रिपोट आने के बाद विस्फोट का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

# ग्रे नाईट पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से कोचिंग से लौट रही छात्रा की मौत

## भैसा कुंड छात्रा का हुआ दाह संस्कार चाचा ने दी मुखाग्नी

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर थाना क्षेत्र शनिवार शाम तेज रफ्तार में हुई बारिश पश्चात् करीब 8:30 बजे कोचिंग से घर लौट रही छात्रा प्रकाश लाईट के लगे बिजली के खम्भे में उतर रही करंट की चपेट में आकर गश्त खाकर गिर पड़ी मौजूद लोगो ने छात्रा को निकट एसकेडी अस्पताल ले गए जहाँ हालत गंभीर देख रेफर कर दिया गया जिसके बाद छात्रा को अपोलो अस्पताल ले गए जहाँ डॉक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया वहीँ अस्पताल पहुंचे छात्रा के परिजनों ने पोस्टमार्टम के इंकार करने पर पुलिस ने मृतक का पंचनामा कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। वहीँ रविवार को छात्रा का भैसा कुंड में दाह संस्कार हुआ जहाँ मृतक के चाचा ने छात्रा के शव को मुखाग्नी दी है। मूल रूप से कृष्ण लोक बंथरा निवासी विनीत द्विवेदी सूरत गुजरात में रहकर डेकोरेशन मैटेरियल का फैक्ट्री चलाते है जबकि पत्नी यथा द्विवेदी बेटी इस्ती (16) वर्ष और बेटे प्रणव के साथ सेक्टर डी एलडीए में किराये के मकान में अपने बच्चो की पढाई के लिए रहती है। मृतक छात्रा ग्यारहवीं की पढाई कर रही थी और फीनिक्स माल निकट आकाश कोचिंग में शाम की बैच में जेईई परीक्षा की तैयारी कर रही थी। शनिवार शाम छात्रा तेज बारिश बंद होने के बाद कोचिंग से पैदल ही अपने घर जाने के लिए निकली थी कि अभी पिकेडली पवार हॉउस मार्ग पर पहुंची ही थी कि प्रकाश लाईट के लिए लगे खम्भे में बारिस के कारण उतरे करंट की चपेट में आ गई और गस्त खाकर गिर पड़ी।आनन फानन में मौजूद लोगो ने छात्रा को एसकेडी अस्पताल ले गए जहाँ से डॉक्टरों ने रेफर कर दिया था मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा को अपोलो अस्पताल ले गई जहाँ डॉक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया था वहीँ अस्पताल में परिजनों के इंकार करने पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर मृतक छात्रा का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

***भैसा कुंड में छात्रा का हुआ क्रियाकर्म चाचा ने दी मुखाग्नी***

जेईई मेन्स की तैयारी कर रही छात्रा इस्ती की अचानक हुई हादसे में मौत के बाद परिवारी जन उसके शव को लेकर अपने गाँव चले गए। पुरे परिवार में शोक का माहौल रहा रविवार को परिवार में रोना बिलखना लगा रहा मृतका बड़े बेटी थी परिवार में माँ यथा इस सदमे को बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी। यह नजारा देख पुरे गाँव में मातम पसरा रहा इस माहौल के बीच मृतिका का अंतिम यात्रा शुरू किया गया भैसा कुंड में छात्रा का दाह संस्कार किया गया जहाँ मृतका के चाचा षमवीत ने मृतक छात्रा को मुखाग्नी दी।

***हादसे के बाद खुली नींद***

स्थानीय पार्षद हिन्द नगर वार्ड सौरभ सिंह मोनू ने बताया कि बहुत ही दुखद घटना है जिसकी जानकारी उन्हें हुई थी इस घटना के बाद वार्ड में एलडीए द्वारा लगे सभी ग्रे नाईट पोल का रविवार को पुनः निरिक्षण कराया गया पोल पर जो भी खुले डीपी बॉक्स मिले लाइनमैनो द्वारा उनके तारो का टेपिंग कराया गया है ताकि खासकर बारिस के दिनों में ऐसी घटनाओ की पुनरावृत्ति न हो सके।

# आरोपियों की गिरफ्तारी ना होने से नाराज परिजनो व ग्रामीणो ने थाने पर जोरदार प्रदर्शन

### नगराम के अचलीखेड़ा गांव के मजदूर परवेश की गैर इरादन हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी ना होने से नाराज परिजनो व ग्रामीणो ने नगराम थाने में किया प्रदर्शन

### साढे तीन घंटे तक चला प्रदर्शन एडीसीपी के आरोपियों पर कार्यवाही के आश्वासन के बाद हुआ समाप्त

मोहनलालगंज।नगराम के अचंलीखेड़ा गांव में मजदूर परवेश(35वर्ष) की पिटाई से मौत के बाद गैर इरादघ्न हत्या समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज करने के आठ दिन बाद भी चारो आरोपियों की गिरफ्तारी ना होने से नाराज पीड़ित पत्नी गीता ने राष्ट्रीय कल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनोद रावत व सुहेलदेव आर्मी के योगेश पासी समेत सैकड़ो की संख्या में ग्रामीणो संग रविवार को नगराम थाने पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन कर पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।इस दौरान प्रदर्शन कर रहे परिजन व ग्रामीण आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी पर अड़ गये ओर इंस्पेक्टर समेत एसीपी से बात करने से इंकार कर दिया।थाने पर धरना प्रदर्शन की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एडीसीपी दक्षिणी शंशाक सिहं ने एसीपी नितिन सिहं व इंस्पेक्टर हेमन्त कुमार राघव की मौजूदगी में पीड़ित पत्नी गीता समेत ग्रामीणो से वार्ता कर गैर इरादघ्न हत्या समेत अन्य धाराओ में दर्ज मुकदमें में वादिनी के बयान के बाद सात दिवस के अंदर जांच पुरी कर आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया,तब जाकर प्रदर्शन कर रहे परिजनो व ग्रामीणो का आक्रोश शांत हुआ तब जाकर साढे तीन घंटे बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।राष्ट्रीय कल्याण मंच के अध्यक्ष अनोद रावत ने बताया पुलिस अफसरो के आश्चासन के बाद भी आरोपियों की सात दिवस के अंदर गिरफ्तारी ना होने पर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिये बड़े स्तर पर प्रदर्शन किया जायेगा।ज्ञात हो नगराम के अचंलीखेड़ा गांव निवासी मजदूर परवेश अपनी जमीन बिक्री का पैसा खरीददार सुधीर सिहं उर्फ टर्इया से 11जुलाई को उसके घर मगांने गया था,जहां सुधीर ने अपने पिता ओम प्रकाश,सर्वेश कुमार वर्मा व शेरखान के साथ मिलकर ईट से बुरी तरह पिटाई कर पैर रखकर गर्दन मरोड़कर तोड़ दी थी ओर मरणासन्न हालत में मजदूर परवेश को सड़क किनारे फेक दिया था,होश में आने पर मजदूर परवेश ने पत्नी गीता से पूरी घटना बताई थी,जिसके बाद पत्नी ने आरोपियों पर कार्यवाही के लिये नगराम पुलिस को तहरीर दी थी,लेकिन पुलिस ने शराब पीकर खुद से गिरकर घायल होने की बात कहकर कार्यवाही से इंकार कर दिया था।पुलिस अफसरो से गुहार के बाद भी कोई कार्यवाही ना होने पर पीड़ित पत्नी ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से उनके आवास पर मिलकर लिखित शिकायत कर आरोपियों पर कार्यवाही की मांग की थी,डिप्टी सीएम ने नगराम पुलिस को मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही के निर्देश दिये थे,पीड़ित पत्नी घायल पति परवेश संग कार्यवाही के लिये 30जुलाई को नगराम थाने पहुंची थी तो वहा हालत बिगड़ने के बाद उसके पति की मौत हो गयी थी,जिसके बाद पुलिस ने आनन फानन चारो आरोपियो पर गैर इरादन हत्या,एससीध्एसटी एक्ट समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज किया था लेकिन आरोपियों को गिरफ्तार करने में नाकाम रही थी,मौत के अगले दिन मजदूर का शव पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचने पर परिजन आरोपियो की गिरफ्तारी के बाद ही अन्तिम संस्कार किये जाने पर अड़ गये थे,इस दौरान मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर हेमन्त राघव ने चार दिनो के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था। परिजनो ने आरोपियों की गिरफ्तारी ना होने पर थाने में प्रदर्शघ्न की चेतावनी दी थी।एडीसीपी शंशाक सिहं ने बताया आरोपियोध की गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाने में प्रदर्शन कर रहे पीड़ित परिजनो व ग्रामीणो को एक सप्ताह के अंदर जांच पूरी कर दोषियो पर कार्यवाही का आश्वासन दिया गया,जिसके बाद धरना–प्रदर्शघ्न समाप्त हुआ।

## 33 का हजार तार टूटने से निगोहा के 80 गांवों की बिजली छरूघंटे रही गुल

मोहनलालगंज। कहने को तो निगोहां इलाके के बिजली उपभोक्ता लखनऊ जिले में रहते है पर बिजली पड़ोसी जिले रायबरेली से मिलती है। तब जाकर निगोहा के 80 गांवों के घरों में बिजली जल रही है।लंबी लाइन होने की वजह से आये दिन 33 हजार लाइन में फाल्ट हो जाती जिसके चलते बिना बिजली के घण्टो रहना पड़ता है।रविवार को भी फाल्ट होने के चलते उपभोक्ताओं को छरू घण्टे बिना बिजली के बिताने पड़े। उपभोक्ता उमेश कुमार, पुपुन तिवारी, निगोहा ग्राम प्रधान अभयकांत दीक्षित बताते है कि वैसे तो हम लोग लखनऊ जिले के निवासी है और हर काम लखनऊ जिले में होते है पर बिजली के मामले में हम लोग रायबरेली के माने जाते है।क्योंकि निगोहा पावर हाउस को बिजली रायबरेली से मिलती है तब जाकर यहां से निगोहा वासियो को बिजली मिलती है।प्रधान अभय ने बताया जब निगोहा में पावर हाउस का निर्माण हुआ तो यहां से रायबरेली तक जो लाइन तैयार की गई उसमे कुछ लापरवाही और जल्दबाजी की गई जिसके चलते 33 हजार लाइन में आये दिन फाल्ट आ जाता है जिसका खामियाजा आये दिन निगोहा के उपभोक्ताओं को भोगना पड़ता है।जेई आशुतोष ने बताया कि 33 हजार का तार रायबरेली के बछरांवा के पास टूटने से करीब 2 बजे बिजली चली गई थी फाल्ट तलाशने में कुछ समय लग गया और फाल्ट मिलने पर तार जोड़कर शाम करीब 7 बजे बिजली बहाल करा दी गई है।

***सेकेंड सोर्स से बिजली देने का काम ढंढे बस्ते में.....***

निगोहा ग्राम प्रधान अभयकांत दीक्षित ने बताया सेकेंड सोर्स से बिजली देने के लिये कई बार अधिकारियों से मांग की गई और अधिकारियों ने आश्वासन भी दिया पर आज तक इसका काम शुरू नही किया गया।इसके बारे में जेई आशुतोष ने बताया सेकेंड सोर्स से बिजली देने के लिये इस्टीमेट काफी दिन पहले भेजा जा चुका है।और कई बार ग्रामीणों के विरोध पर पत्र भी अधिकारियों को लिखा जा चुका है।

## मानसिक रुप से परेशान किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज के खुजौली गांव बृजमोहन रावत अपने परिवार संग रहते है,उनकी बेटी सुभाषिनी(16वर्ष)काफी समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रही थी,रविवार की सुबह बृजमोहन गौशाला में ड्यूटी पर चले गये ओर पत्नी समेत परिवार खेतो में काम करने चला गया,इस बीच घर में अकेली बेटी सुभाषिनी ने कमरे की दीवार में लगी लोहे की कील में साड़ी के फंदे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।खेत से काम निपटाकर दोपहर 3रू00बजे के करीब मां समेत परिजन वापस घर लौटे तो कमरे में बेटी सुभाषिनी का शव साड़ी के फंदे से लटकता देखा तो कोहराम मच गया। पिता बृज मोहन की सूचना के बाद चौकी इंचार्ज कृष्ण पाल सिहं ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल के बाद मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचानामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

## दहेज हत्या के आरोपी सास–ससुर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मोहनलालगंज। नगराम थाना क्षेत्र के शुकलवा गांव में विवाहिता रोली के दहेज हत्या के दर्ज मुकदमें में फरार चल रहे आरोपी सास- ससुर को रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा। फरार पति को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।ज्ञात हो निगोहां के गरीब खेड़ा गांव निवासी कालीदीन ने तीन वर्ष पूर्व वह अपनी बेटी रोली(21) का विवाह नगराम के समेसी का मजरा शुकलवा गांव निवासी रामसिंह के बेटे राजकुमार के साथ किया था।विवाहिता रोली का शव बीते 29 जुलाई को ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकता मिला था।पिता ने पति राजकुमार,ससुर रामसिंह, सास रामदुलारी पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।प्रभारी निरीक्षक हेमन्त कुमार राघव ने बताया आरोपी ससुर रामसिंह व सास रामदुलारी को रविवार को देवीखेड़ा पुलिया के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

## निजी बैंक में कार्यरत युवती ने लगाई फांसी, मौत

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में संचालित बंधन बैंक की युवती ने बैंक के ऊपरी तल पर अपने कमरे में दुपट्टे का फंदा बना फांसी लगा ली। शाखा प्रबंधक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के गंगागंज अमौसी में संचालित बंधन बैंक के शाखा प्रबंधक आशीष मिश्रा ने बताया कि बैंक शाखा में कार्यरत युवती सुशीला (29) पुत्री सूरजभान निवासी पौथिया थाना लालपुर जनपद हमीरपुर जोकि बैंक के ऊपरी तल पर एक कमरे में किराये पर रहती थी बीती अर्धरात्रि अपने कमरे में दुपट्टे के सहारे फांसी का फंदा बना फांसी लगा अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मृतका का शव फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका अविवाहित थी।

## बेखौफ चोरो ने दो थाना क्षेत्रो में ताला तोड़ दिया चोरी की घटना को अंजाम

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ के दो थाना क्षेत्रो में घुमन्तु चोरो ने मिष्ठान की दुकान व मकान का ताला तोड़ नगदी एवं सोने चांदी के कीमती आभूषण चोरी कर फरार हो गए। चोरी की जानकारी होने पर पीड़ितों ने स्थानीय थानों पर शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। बाजारखाला थाना क्षेत्र के ऐशबाग निवासी प्रदीप कुमार के मुताबिक उनकी ऐशबाग चौराहे पर बाबूलाल के नाम से मिष्ठान भंडार की दुकान है। अर्धरात्रि बेखौफ चोरो ने उनके दुकान शटर का ताला तोड़ दुकान के गल्ले में रखा बारह हजार रूपये चोरी कर लिया गया। सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो उन्हें दुकान में चोरी की जानकारी हुई। वहीँ दूसरी तरफ गुडम्बा थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरो ने एक बंद मकान का ताला तोड़ कीमती जेवर व नगदी चोरी कर लिया। नेवज पुर निवासी पीड़ित राम नरेश यादव पुत्र बनवारी लाल के मुताबिक बीते 30 जुलाई को उनकी माँ का पैर टूट गया था जिसकी जानकारी होने पर वह अपने घर में ताला बंद कर बस्ती अपनी माँ के पास गए अगले दिन पडोसी ने मेन गेट का ताला टुटा होने की जानकारी दी जिसपर वह वापस लखनऊ अपने घर लौटे तो देखा कि घर से सोने चांदी के कीमती जेवरात व नगदी चोरी हो चुके है। जिसकी सुचना स्थानीय पुलिस को दी। पीड़ितों की शिकायत पर स्थानीय पुलिस चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है।

## गंगा स्नान को गयी किशोरी सदिग्धं परिस्थितियों में हुयी लापता

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज के एक गांव निवासी भाई ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुये बताया 31जुलाई को उसकी 17वर्षीय बहन भूवन निवासी गोविंदपुर के परिवार के साथ उन्नाव के बक्सर में गंगा स्नान करने गयी थी,शाम को गंगा स्नान व मेला देखकर भूवन समेत उसका परिवार वापस घर आ गया लेकिन बहन वापस नही लौटी,जिस पर भूवन के घर जाकर छोटी बहन के बारे में पुछा तो बताया वो अपनी बड़ी बहन के घर गयी है,बड़ी बहन के यहा फोन करने पर पता चला वह नही पहुंची है। जिसके बाद परिजनो के साथ काफी खोजबीन के बाद भी लापता बहन का पता नही चल सका है।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित भाई की तहरीर के आधार पर लापता बहन की गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

## दोबारा जमीन बेचने वाले जालसाज किसान समेत पांच के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज। लखनऊ के कैंट थाना क्षेत्र के सदर बाजार निवासी अनिल कुमार ने बताया उन्होने मोहनलालगंज तहसील के मलूकपुर ढकवा गांव किसान सत्यनारायण से उसकी कृषि योग्य जमीन जरिये बैनामा 25अक्टूबर2002 को खरीदी थी,जिसके बाद दाखिल खरिज करवा लिया था,उनके द्वारा खरीदी गयी भूमि को छल-कपट व धोखाधड़ी करते हुये फर्जी प्रपत्रो के सहारे किसान सत्यनारायण ने अपनी पत्नी रेखा के नाम दान विलेख कर दिया,जिसमें विक्रेता का बेटा नैतिक व करीबी रिश्तेदार सुषमा श्रीवास्तव निवासी सरसंवा,अर्जुनगंज थाना सुशान्त गोल्फ सिटी गवाह है ओर उक्त धोखाधड़ी इन्द्रजीत श्रीवास्तव निवासी त्रिवेणीनगर,निरालानगर की मिलीभगत से की गयी है।पीड़ित अनिल कुमार ने आरोपियों पर कार्यवाही के लिये न्यायालय में वाद दायर किया था,जहां से आदेश के बाद पुलिस ने जालसाज किसान समेत पांच के विरूद्ध धोखाधड़ी,जालसाजी समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

## मुख्यमंत्री आरोग्य मेला प्रदेश भर में हुआ संपन, 15 लाख लोगो ने स्वास्थ्य सुविधाओ का उठाया लाभ

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। स्वास्थ्य सुविधाओ को लेकर मुख्यमंत्री द्वारा फरवरी वर्ष 2020 में आरोग्य मेला का शुभारम्भ किया गया था जिसका 108वां मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का रविवार को प्रदेश भर के सभी सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजन किया गया। इस दौरान काफी संख्या में मरीजो ने इस स्वास्थ्य मेले का लाभ उठाया गंभीर रोगों से ग्रसित मरीजो का गोल्ड कार्ड भी बनाया गया। इस दौरान चिकित्सको ने मेले में पहुंचे लोगो को कोरोना समेत अन्य बीमारियों संक्रमित बीमारियों को लेकर जागरूक किया गया उनके लक्षण बचाव के विषय में जानकारी दिया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य महानिदेशक डब्ल दीपा त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को प्रदेश भर में आयोजित इस स्वास्थ्य मेले में कुल 156553 रोगियों ने स्वास्थ्य सुविधाओ का लाभ उठाया जिसमे 64607 पुरुष, 63624 महिलाये एवं 28322 बच्चे लाभावन्वित हुए एवं 1282 गंभीर रोगियों का उच्च अस्पतालों में उपचार किया गया तथा 6783 गोल्डेन कार्ड वितरित किया गया।मेले में कुल 9797 फीवर के मरीज आये जिसमे 3989 मरीजो का रैपिड टेस्ट किया गया जिसमे 32 मलेरिया रोगों से ग्रसित मरीज पाए गए ,डेंगू का शून्य मरीज पाया गया।

# महिला को प्रेम जाल में फंसाकर शारीरिक सम्बंध बनाकर कराया गर्भपात

## पुलिस से शिकायत करने पर रचाई शादी,प्रापर्टी ना बेचने पर पत्नी व बच्चो को छोड़कर हुआ फरार

## न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी पति समेत सात के विरूद्ध रेप समेत संगीन धाराओ में दर्ज किया मुकदमा

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज के एक गांव की महिला ने बताया उसके पति राघवेन्द्र की 2014 में मौत हो गयी थी,जिसके बाद युवक अवधेश सिहं निवासी कुबहरा उसके घर आने जाने लगा ओर उसके बच्चो से हिल मिल गया ओर उसे अपने प्रेम जाल में फंसाकर एक दिन कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाने के बाद बेहोश होने पर शारीरिक सम्बंध बनाये, होश में आने पर उसने विरोध जताया तो शादी रचाने की बात कहकर उसे चुप करा दिया,जिसके बाद से उसका बराबर शारीरिक शोषण करने लगा,2019 में महिला के गर्भवती होने पर शादी करने का झांसा देकर टीएस मिश्रा मेडिकल कालेज ले जाकर उसका जबरन गर्भपात करा दिया।लेकिन शादी की बात पर टालमटोल करता रहा,जिसके बाद उसने पुलिस से शिकायत की तो 14दिसम्बर2020 को अवधेश सिहं ने आर्य समाज मंदिर में शादी कर रजिस्टार आफिस में पहुंचकर शादी का पंजीकरण कराया।शादी के बाद पति अवधेश सिहं उसपर जमीन बेचने का दबाब बनाने लगा,उसने पहले पति से दो बच्चो का हक होने का हवाला देकर प्रापर्टी बेचने से मना किया तो आये दिन वो झगड़ा करने लगा ओर जबरन अप्राकृतिक सम्बंध बनाने लगा।पति अवधेश प्रापर्टी ना बेचने पर घर छोड़कर चले जाने की धमकी भी देने लगा ओर एक दिन घर छोड़कर अपने पिता शिवराज सिहं के घर चला गया ओर महीनो वापस नही आया,जब उसके घर गयी ओर वापस चलने को कहा तो पति अवधेश ने अपने पिता शिवराज,मां पुष्पा,बड़े भाई गुड्डू सिहं,छोटे भाई अंकित,बहन लक्ष्मी व बहनोई मुकेश कपूर के साथ मिलकर उसकी लात घूसो से बुरी तरह पिटाई कर घर से भगा दिया।जिसके बाद वो अपने गांव लौट आयी ओर पति गुपचुप तरीके से दिल्ली चला गया।जिसके बाद आरोपी पति अवधेश समेत उसके परिजनो पर कार्यवाही के लिये स्थानीय पुलिस से लेकर अफसरो तक गुहार लगायी,लेकिन कोई कार्यवाही नही हुयी,जिसके बाद आरोपियों पर कार्यवाही के लिये न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर वाद दायर किया ,जहां से आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही के न आदेश पुलिस को दिये गयें।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित की तहरीर के आधार पर पति अवधेश सिहं समेत सात आरोपियों के विरूद्ध रेप समेत आधा दर्जन संगीन धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

# भारत में झूठा विमर्श गढ़ने के हो रहे हैं प्रयास

प्रहलाद सबनानी

**पश्चिमी देशों द्वारा भारत के विरुद्ध चलाए जा रहे इस अभियान (झूठे विमर्श) को आज तोड़ने की आवश्यकता है। इसके लिए उनके प्रत्येक विमर्श को अलग अलग रखकर भिन्न भिन्न तरीकों से तोड़ना होगा। जैसे किसी विज्ञापन में भारतीय परम्पराओं का निर्वहन करने वाली महिला यदि बिंदी नहीं लगाएगी तो उस उत्पाद को नहीं खरीदेंगे, यदि किसी फिल्म में भारतीय संस्कृति एवं आध्यातम का मजाक उड़ाया जाता है तो उस फिल्म का भारतीय समाज बहिष्कार करेगा। भारतीय त्यौहारों के विरुद्ध किये जा रहे प्रचार, जैसे दिवाली पर फटाके जलाने से पर्यावरण को नुक्सान होता है, होली पर पानी की बबार्दी होती है, शिवरात्रि पर दूध बहाया जाता है, आदि के विरुद्ध भी उचित प्रतिकार किया जाना चाहिए। यह हमें समझना होगा कि भारतीय परम्पराएं आदि-अनादि काल से चली आ रही हैं और यह संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर विश्वास करती है। अतः पूरे विश्व में यदि शांति स्थापित करना है तो भारतीय संस्कृति पर आधारित दर्शन ही इसमें मददगार हो सकता है, इससे पूरे विश्व की भलाई होगी।**

भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विकास से सम्बंधित हाल ही में जारी किया गए आंकड़ों को देखने के पश्चात ध्यान में आता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब पटरी पर तेजी से दौड़ने लगी है। परंतु, देश के मीडिया में भारत के आर्थिक क्षेत्र में लगातार बन रहे नित नए रिकार्ड का जिक्र कहीं भी नहीं है। इसके ठीक विपरीत देश में रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहे हैं, गरीब अति गरीब की श्रेणी में जा रहा है, मुद्रा स्फीति की दर अधिक हो रही है, भुखमरी बढ़ रही है, हिंसा बढ़ रही है, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं, आदि विषयों पर विमर्श गढ़ने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है।

भारत में झूठे विमर्श गढ़ने का इतिहास रहा है। अंग्रेजों के शासन काल में भी कई प्रकार के झूठे विमर्श गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैज्ञानिक एवं आधुनिक है, भारत सपेरों का देश है एवं इसमें अपढ़ गरीब वर्ग ही निवास करता है, सनातन भारतीय संस्कृति रूढ़िवादी एवं अवैज्ञानिक है, शहरीकरण विकास का बड़ा माध्यम है अतः ग्रामीण विकास को दरकिनार करते हुए केवल शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, शहरी, ग्रामीण एवं जनजातीय के बीच में आर्थिक विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के क्षेत्र हैं, विदेशी भाषा को जानने के चलते नागरिकों में आत्मविश्वास बढ़ता है, संस्कृति से अधिक तर्क को महत्व दिया जाना चाहिए, व्यक्ति एवं समश्टि में व्यक्ति को अधिक महत्व देना अर्थात व्यक्तिवाद को बढ़ावा देना चाहिए (पूंजीवाद की अवधारणा), कम श्रम करने वाला व्यक्ति अधिक होशियार माना गया, सनातन हिन्दू संस्कृति पर आधारित प्रत्येक चीज को हेय दृष्टि से देखना, जैसे दिवाली के फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं, होली पर्व पर पानी की बबार्दी होती है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज सनातन भारतीय संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं।

पश्चिमी देशों एवं कई विदेशी संस्थानों द्वारा भारत के विरुद्ध गढ़े जा रहे विमर्श के विपरीत भारत लगातार आर्थिक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के विकास में सेवा क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि देश के सकल घरेलू उत्पाद में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सेवा क्षेत्र का ही रहता है एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में भी सेवा क्षेत्र का अहम स्थान है और इससे जुड़ी सर्विस पीएमआई के माह जुलाई 2023 के आंकड़े आ गए हैं। एसएंडपी ग्लोबल का इंडिया सर्विसेज पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई का स्तर जुलाई में 62.3 पर रहा है जो कि पिछले 13 वर्षों का उच्च स्तर है और इसके जरिए

भारत के सेवा क्षेत्र में हो रहे शानदार विकास का पता चलता है। सेवा क्षेत्र से निर्यात भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) ने यह उम्मीद जताई है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत से सेवाओं का निर्यात 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरूआती आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत से सेवा क्षेत्र में निर्यात वित्तीय वर्ष 2021-22 के 254 अरब डॉलर से 42 प्रतिशत अधिक अर्थात 323 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। परिषद के चेयरमैन ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सेवा क्षेत्र से 300 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा गया था जबकि वास्तव में यह 323 अरब डॉलर का रहा है।

कर संग्रहण के क्षेत्र में भी भारत में नित नए रिकार्ड बनाए जा रहे हैं। जुलाई 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 11 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित करते हुए 1.65 लाख करोड़ रुपए का रहा है, जो जुलाई 2022 माह में 1.49 लाख करोड़ रुपए का एवं जून 2023 माह में 1.61 लाख करोड़ रुपए का रहा था। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण के लिए 9.56 लाख करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी प्रकार, वित्तीय वर्ष 2022-23 से सम्बंधित आय कर रिटर्न दाखिल करने वाले नागरिकों की संख्या 31 जुलाई 2023 तक 6.77 करोड़ हो गई है, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 से सम्बंधित फाइल किए गए 5.83 करोड़ रिटर्न की तुलना में 16.1 प्रतिशत अधिक है। हर्ष का विषय यह है कि इस वर्ष 53.67 लाख नागरिकों ने पहली बार आय कर रिटर्न दाखिल किया है, अर्थात भारत में अब कर जमा करने के सम्बंध में जागरूकता बढ़ रही है एवं गरीब वर्ग अब मध्यम वर्ग की श्रेणी में आ रहा है। भारत में माह जुलाई 2023 में ऊर्जा का उपभोग 8.4 प्रतिशत बढ़कर 13,900 करोड़ यूनिट्स के स्तर को पार कर गया है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है।

भारत में आर्थिक गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही है यह इस बात से भी सिद्ध होता है कि भारत में बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों में जबरदस्त उछाल दृष्टिगोचर है। जून 2023 माह में बैंकों के गैर खाद्यान ऋणों में 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि मई 2023 माह में 15.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। कृषि क्षेत्र में 20 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 27 प्रतिशत एवं उद्योग क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। साथ ही, जून 2023 माह में भारत के 8 मूलभूत क्षेत्रों द्वारा 8.2 प्रतिशत की वृद्धि अर्जित की गई है। स्टील उद्योग ने तो 21.9 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की है, वहीं कोयला एवं सिमेंट क्षेत्र में भी वृद्धि दर का आंकड़ा दहाई से भी अधिक का रहा है। 8 में से 7 क्षेत्रों में वृद्धि दर अच्छी रही है।

भारत इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में जापान को पीछे छोड़ते हुए आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश बन गया है। भारत द्वारा इस्पात के क्षेत्र में आयात को कम करके 34,800 करोड़ रुपये बचाए गए हैं क्योंकि भारत में लगभग 6 करोड़ टन कच्चे इस्पात की क्षमता को जोड़ा गया है। भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता वर्ष 2014-15 में 109.85 मीट्रिक टन थी जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 160.30 मीट्रिक टन हो गई है। इस प्रकार, अब इस्पात का कुल उत्पादन 88.98 मीट्रिक टन से बढ़कर 126.66 मीट्रिक टन हो गया है।

भारत द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में लगातार प्राप्त की जा रही विभिन्न उपलब्धियों को दरकिनार करते हुए, भारत के बारे में भ्रांतियां फैलाई जाती रही हैं। जैसे, भारतीय कुछ नया करे तो उसे ह्यजुगाड़ह्ण कहा जाता है और चीन यदि कुछ नया करे तो ह्यरिवर्स इंजिनीयरिंग। पश्चिम का प्रत्येक कदम वैज्ञानिक है, परंतु भारतीय आयुर्वेद को हर बात सिद्ध करने की आवश्यकता होती है। पश्चिम का अधूरा अध्ययन भी साइन्स की श्रेणी में है, परंतु भारत के कई प्राचीन वैज्ञानिक तथ्य भी रूढ़िवादी माने जाते हैं। पश्चिमी विचारधारा में व्यक्ति की भावुकता के लिए कोई स्थान नहीं है, केवल तकनीकी के बारे में ही विचार किया जाता है। इसी प्रकार से भारत में बाल श्रम को लेकर पश्चिमी देशों द्वारा हो हल्ला मचाया जाता है किंतु उनके अपने देशों में कई प्रतियोगिताओं में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी भाग लेते हैं, परंतु उनकी दृष्टि में यह बाल श्रम की श्रेणी में नहीं आता है। भारत में यदि 16 वर्ष की कम उम्र के बच्चे अपने पारम्परिक व्यवसाय की कला में पारंगत होना प्रारम्भ करें तो यह बाल श्रम की श्रेणी में माना जाता है। भारत के संदर्भ में यह दोहरी नीति का विमर्श क्यों खड़ा किया जाता है।

पश्चिमी देशों द्वारा भारत के विरुद्ध चलाए जा रहे इस अभियान (झूठे विमर्श) को आज तोड़ने की आवश्यकता है। इसके लिए उनके प्रत्येक विमर्श को अलग अलग रखकर भिन्न भिन्न तरीकों से तोड़ना होगा। जैसे किसी विज्ञापन में भारतीय परम्पराओं का निर्वहन करने वाली महिला यदि बिंदी नहीं लगाएगी तो उस उत्पाद को नहीं खरीदेंगे, यदि किसी फिल्म में भारतीय संस्कृति एवं आध्यातम का मजाक उड़ाया जाता है तो उस फिल्म का भारतीय समाज बहिष्कार करेगा। भारतीय त्यौहारों के विरुद्ध किये जा रहे प्रचार, जैसे दिवाली पर फटाके जलाने से पर्यावरण को नुक्सान होता है, होली पर पानी की बबार्दी होती है, शिवरात्रि पर दूध बहाया जाता है, आदि के विरुद्ध भी उचित प्रतिकार किया जाना चाहिए। यह हमें समझना होगा कि भारतीय परम्पराएं आदि-अनादि काल से चली आ रही हैं और यह संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर विश्वास करती है। अतः पूरे विश्व में यदि शांति स्थापित करना है तो भारतीय संस्कृति पर आधारित दर्शन ही इसमें मददगार हो सकता है, इससे पूरे विश्व की भलाई होगी।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

## संपादकीय

### समृद्ध दुनिया में महिलाएं

जब महिलाएं समृद्ध होती हैं तो दुनिया समृद्ध होती है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में आयोजित महिला सशक्तिकरण मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा। मोदी ने कहा महिलाओं का सशक्तिकरण विकास को गति देता है तथा उन्हें सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका महिला नीति विकासात्मक दृष्टिकोण है। उन्होंने समान अवसर मुहैया कराने वाले मंच बनाने की बात की। जहां उपलब्धि हासिल करना उनके लिए सामान्य बात हो सके। प्रधानमंत्री ने कहा शिक्षा तक उनकी पहुंच वैश्विक प्रगति को बढ़ावा देती है। उनका नेतृत्व समावेशिता बढ़ाता है तथा उनकी आवाज सकारात्मक बदलावों के लिए प्रेरित करती है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत करीब 70 फीसद कर्ज महिलाओं को दिए गए हैं। स्टैंड़अप इंड़िया, जो सरकारी कार्यक्रम है की लाभार्थी भी 80 फीसद महिलाएं ही हैं। अपने संबोधन में जब वे महिलाओं की सशक्तिकरण और विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिमान स्थापित करने जैसी सकारात्मक चर्चा कर रहे थे। उस वक्त तक भी मणिपुर में हो रहे उपद्रव की शिकार महिलाओं के घावों में कोई मलहम नहीं लगाया गया है। ना ही देश के लिए मेड़ल लाने वाली खिलाड़िनों के साथ होते रहे अन्याय पर तामील हुई है। महिलाएं स्वावलंबी हो रही हैं। वे अपने अथक प्रयासों से परिवार की आर्थिक मददगार बनने की कोशिशें भी कर रही हैं। यह स्वीकारने में कोई परहेज नहीं होना चाहिए कि सरकारी नियमों व कार्यक्रमों ने इन तमाम महिलाओं को पांव रखने लायक जमीन मुहैया कराने का जिम्मा लिया है। वे सिर्फ उच्च शिक्षा प्राप्त करने के प्रति ही चेतन नहीं हुई हैं। बल्कि बड़ा तबका ऐसा भी है, जो अपने बूते छोटे-छोटे काम करके स्वावलंबी होती जा रही हैं। जैसा कि मोदी ने कहा वे जलवायु परिवर्तन से लेकर लड़ाकू विमान उड़ाने तक पहुंच रही हैं। मगर व्यावहारिक धरातल पर देखें तो कामगार महिलाओं की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। संतुलन बनाये रखने के लिए जरूरी है कि ऐसे प्रयास लगातार होते रहे हैं कि अधिक-से-अधिक संख्या में स्त्रियां श्रमबल का सदुपयोग करती रहें। उनकी राह में आने वाले रोड़े.को हटाना सरकार व व्यवस्था की ही जिम्मेदारी है। तभी असल मायने में हम समृद्ध महिलाओं की संख्या में इजाफा होते देखे सकेंगे।

## चिंतन-मनन

### 'थुकदम' पर शोध खोलेगा जीवन-मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे। माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे। इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है। हालांकि, वैज्ञानिक शोध में जुटे चिकित्सक अभी तक यही मान रहे हैं कि जब तक आत्मा है, तब तक शरीर सुरक्षित रहेगा। थुकदम (यानी मृत्यु के बाद भी शरीर के यथावत रहने की मुद्रा) के शोध प्रोजेक्ट पर काम कर रहे डेलेक अस्पताल के चीफ मेडिकल आफिसर डा. छेतेन दोरजे का कहना है कि विज्ञान हालांकि इस बात को स्वीकार नहीं करता मगर, हमें मानना होगा कि यह जीवन और जीवन के बाद आत्मा से जुड़ा पहलू है। उन्होंने दावा किया बहुत जल्द वैज्ञानिक तथ्यों के साथ वह इसके रहस्य तक भी पहुंचने वाले हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें इस तरह के और सब्जेक्ट की तलाश है।

# संसद की कार्रवाई पर सेंसरशिप?

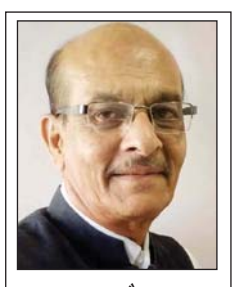

सनत जैन

संसद में सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का अधिकार है। वह जो भी बोलते हैं,वह रिकॉर्ड पर आता है। सदस्यों की अभिव्यक्ति पर सदन के अंदर कोई रोक टोक नहीं है। आसंदी द्वारा दी गई व्यवस्था के अनुसार सदस्य अपनी बात सदन के अंदर कहते हैं। संसद में सदस्यों द्वारा जो बोला गया है, उसको आधार बनाकर सांसद को सदन के बाहर कोई चुनौती भी नहीं दी जा सकती है। यह संवैधानिक संरक्षण निर्वाचित प्रतिनिधियों को मिला हुआ है। संसद में चर्चा के दौरान यदि किसी सदस्य द्वारा ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया है। जो असंसदीय है, ऐसे शब्दों को हटाने का अधिकार सदन के अध्यक्ष अथवा सभापति को होता है। उन शब्दों को कार्यवाही से निकालने की परंपरा 1950 से लेकर अभी तक चली आ रही है। इसके लिए राज्यसभा में नियम 261 और लोकसभा में नियम 380 के तहत अध्यक्ष समय-समय पर गैर संसदीय आपत्तिजनक शब्दों को रिकॉर्ड से हटाने के आदेश समय-समय पर देते रहे हैं।

पिछले कुछ समय से विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में जो मामले उठाए जाते हैं। उनको रिकॉर्ड पर ही नहीं लिया जाता है। जो रिकॉर्ड में आ जाते हैं, उन्हें भी हटाने के आरोप अब विपक्षी दल मुखरता के साथ लगा रहे हैं। इस तरह के आरोप से आसंदी कमजोर होती है। हाल ही में डेरेक ओ ब्रायन ने मणिपुर की घटनाओं को लेकर संसद में जो बोला था। उनका पूरा बयान संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। उन्होंने कहा,इसमें कुछ भी संसदीय नहीं था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है, कि विपक्षी सदस्य सदन के अंदर जो बोलते हैं। उनके बयान को संसद की कार्यवाही से हटाया जा रहा है। या उन्हें सेंसर किया जा रहा है। उन्होंने अपने आरोप में कहा कि मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जयराम रमेश, महुआ मोइत्रा, शांतनु सेन। भगवंत सिंह मान,संजय सिंह जान ब्रिट्स, एमबी राजेश, विनोद विश्वम, वाइको, संजय राउत इत्यादि सदस्यों के कथन सदन की कार्रवाई से हटाए गए हैं। उनके बयान में असंसदीय कुछ भी नहीं था। हां उनके बयान सरकार के खिलाफ थे। सदन की कार्रवाई से जिन सदस्यों के बयान को संसद की कार्रवाई से हटाया गया है। उनमें अधिकतर अडानी समूह, हिंडनवर्ग रिसर्च सेंसरशिप, आपातकाल, प्रधानमंत्री के बयान को उल्लेखित करते हुए जो बयान दिए गए थे। उन्हें सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया है। विपक्ष का आरोप है, विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में दिए गए हर उस बयान को हटाया गया है। जिनमें सरकार अपनी जवाबदेही में विफल थी। सदन की कार्यवाही को हटाने से पहले सदस्यों को नोटिस तक नहीं दिया गया। नाही उनकी प्रतिक्रिया ली गई। सरकार की आलोचना करने वाले, जो भी बयान विपक्षी सांसदों के थे। उन्हें संसद की कार्रवाई से हटाकर एक तरह से सांसदों के बोलने के रिकॉर्ड पर भी सेंसरशिप जैसी स्थिति आ गई है। 1969 की किताब कैबिनेट गवर्नमेंट को उद्धत करते हुए कहा गया,कि सरकार और मंत्रियों पर प्रहार करना विपक्ष का दायित्व है। इससे भ्रष्टाचार और सरकार के कुशासन पर अंकुश लगाने की संवैधानिक शक्ति विपक्ष को मिलती है। संसद ही एक ऐसा मंच है,जहां पर निर्वाचित प्रतिनिधि अपने अधिकार के कारण सरकार से सवाल पूछ पाते हैं। सरकार को जवाब देने की बाध्यता, संवैधानिक प्रावधान में है। सदन के अध्यक्ष और सभापति का दायित्व होता है,कि वह सरकार से सदस्यों के हर प्रश्न का उत्तर दिलाने में सदस्यों की मदद करे। पिछले कुछ सत्रों मे असंसदीय शब्दों के स्थान पर विपक्षी सांसदों के पूरे बयान को ही,या उसके बड़े हिस्से को हटाने की कार्रवाई, लोकसभा और राज्यसभा में बड़े पैमाने पर की जा रही है। जो विपक्षी सांसदों के अनुसार एक तरह से सेंसरशिप है। सदस्यों की सदन के अंदर बोलने की जो अभिव्यक्ति है। उसको सदन के रिकॉर्ड से बाहर करना, असंवैधानिक बताते हुए अब विपक्षी दलों द्वारा विरोध मुखर होकर किया जा रहा है। आसंदी, सरकार के दबाव में सदन की कार्रवाई को संचालित करने और सरकार को बचाव करने का मौका देने की बात कह रहे हैं। जिसके कारण विपक्ष,सरकार और आसंदी के बीच में टकराव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सदस्यों के अधिकारों का संरक्षण करने का दायित्व संविधान ने सभापति और लोकसभा अध्यक्ष को दिया है। सरकार कई मामलों मैं विपक्ष के आरोपों या उनके प्रश्न से बचना चाहती है। पहले भी ऐसे कई उदाहरण हैं, आसंदी ने सरकार को सदस्यों द्वारा मांगी गई जानकारी और उनकी भावनाओं को सदन में जवाब दिलाने में सदस्यों को आसंदी का संरक्षण मिला है। अब इसके विपरीत स्थिति होने के कारण, विपक्षी दलों का आसंदी पर विश्वास कम हो रहा है। संसदीय परंपराओं निर्वाचित सदस्यों के अधिकार, लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के अधिकारों पर, सरकार के बढ़ते हुए प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। यह चिंता का विषय है।

# वैश्विकी : कौन डरता है ब्रिक्स से

डॉ. दिलीप चौबे

दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर जहां अधिकतर देशों में उत्सुकता है वहीं अमेरिका और उसके सहयोगी देश आशंका से ग्रसित हैं।

इस सम्मेलन को कमजोर या असफल बनाने के लिए पश्चिमी देशों की मीडिया ने अभियान छेड़ रखा है। उसकी ओर से भ्रामक सूचनाओं का प्रसार किया गया जिसका अनुसरण भारत की मीडिया के एक वर्ग ने भी किया है। कुछ दिन पहले तक यह माहौल बनाया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिखर वार्ता में भाग लेने के लिए जोहांसबर्ग नहीं जाएंगे। इसके पहले पश्चिमी देशों की मीडिया में ब्रिक्स को लेकर प्रमुख मुद्दा यह था कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन को जोहांसबर्ग में गिरफ्तार किया जाएगा या नहीं। पुतिन ने पश्चिम के इस मंसूबे को ध्यान में रखकर द. अफ्रीका नहीं जाने का फैसला किया। वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इस फैसले से ब्रिक्स के एजेंडे पर ही मीडिया को ध्यान केंद्रित करना होगा।

ब्रिक्स की स्थापना वर्ष 2009 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन को मिलाकर हुई थी। बाद में इसमें द. अफ्रीका को शामिल किया गया। वास्तव में जोहांसबर्ग शिखर वार्ता इस संगठन की महत्त्वपूर्ण बैठक है। यह नई विश्व व्यवस्था का शिलान्यास साबित हो सकती है। शिखर वार्ता का मुख्य एजेंडा ब्रिक्स का विस्तार और सदस्य देशों के बीच व्यापार के लिए मुद्रा निर्धारण है। पश्चिमी देशों की मीडिया इन दोनों मुद्दों पर लगातार भ्रामक खबरें प्रसारित कर रही है। आश्चर्य की बात यह है कि इसके लिए भारत के रुख का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह धारणा बनाने की कोशिश की जा रही है कि भारत ब्रिक्स के विस्तार के खिलाफ है। देर से ही सही भारत के विदेश मंत्रालय ने इन खबरों का खंडन किया है।

भारत निश्चित मानकों के आधार पर इस संगठन का विस्तार चाहता है। जोहांसबर्ग में ब्रिक्स नेता नए सदस्य देशों को शामिल करने के संबंध में फैसला करेंगे। चर्चा का एक अन्य मुद्दा 'ब्रिक्स करेंसी' भी है। ऐसी भ्रामक खबरें प्रसारित की जा रही हैं कि भारत ब्रिक्स करेंसी के पक्ष में नहीं है, जबकि वास्तविकता इससे अलग है। दुनिया में नई मुद्रा का प्रचलन करना बहुत जटिल और दुरुह प्रक्रिया है। इसी बात को ध्यान में रखकर ब्रिक्स देशों की प्राथमिकता यह है कि नई मुद्रा के स्थान पर विभिन्न देशों की राष्ट्रीय मुद्राओं में लेन-देन की व्यवस्था अधिक सुगम एवं व्यावहारिक है। कुछ अथरे में यह मुद्दा भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि वह रूस से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहा है। रूस के खिलाफ पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों के कारण लेन-देन में समस्या पैदा हो रही है। रूस का आग्रह है कि भारत रुपए के साथ ही अन्य मुद्राओं में भी भुगतान करे ताकि वह धनराशि का आसानी से उपयोग कर सके। पूरी संभावना है कि शिखर सम्मेलन में कोई ठोस भुगतान प्रणाली कायम करने की घोषणा की जाएगी।

अमेरिका और पश्चिमी देशों के घटते प्रभाव के कारण विभिन्न महाद्वीपों के अनेक देश ब्रिक्स में शामिल होना चाहते हैं। इनमें सऊदी अरब, इंडोनेशिया, अर्जेंटीना और नाइजीरिया जैसे बड़े देश शामिल हैं। यदि इन देशों को ब्रिक्स में शामिल किया जाए तो यह संगठन अमेरिका के प्रभाव वाले जी-7 संगठन से भी अधिक मजबूत हो जाएगा। ब्रिक्स के विस्तार के बाद इस संगठन की एकजुटता और मतैक्य कायम करने की प्रणाली को बनाए रखना एक चुनौती अवश्य साबित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग जोहांसबर्ग में दो दिनों के दौरान घंटों तक आमने-सामने रहेंगे। दोनों नेताओं के बीच औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता नहीं भी होती है तो यह अवसर सीमा संबंधी मुद्दों और विश्व मामलों पर चर्चा करने का मौका साबित हो सकता है। ब्रिक्स शिखर वार्ता के अगले महीने सितम्बर में जी-20 बैठक के लिए राष्ट्रपति शी को नई दिल्ली आना है। एशिया की दो महाशक्तियों के ये दो शीर्ष नेता द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर लाने के लिए नई शुरूआत कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लिए जोहांसबर्ग में अफ्रीकी देशों के नेताओं के साथ बातचीत का भी अवसर होगा। 22-24 अगस्त तक होने वाले इस शिखर सम्मेलन में अफ्रीका के सभी देशों को आमंत्रण भेजा गया है। ब्रिक्स अब चट्टान के रूप में बदल रहा है। ब्रिक्स नेताओं को भी अब चट्टान जैसी संकल्पशक्ति का प्रदर्शन करना चाहिए।

# अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, खजुराहो और डबरा स्टेशनों के पुनर्विकास का प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया शिलान्यास

**0 इस साल के बजट में उत्तर प्रदेश को रिकॉर्ड रुपये 17,507 करोड़ का आवंटन मिला**

**0 लोक कलाकारों और स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया**

**0 मंडल रेल प्रबंधक द्वारा प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित**

झाँसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज रविवार 6 अगस्त 2023 को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, खजुराहो और डबरा स्टेशनों के पुनर्विकास करने का शिलान्यास (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से) किया गया। झांसी मण्डल आय अर्जन, नए व्यापार सृजन, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट तथा गाड़ियों को गति प्रदान करने में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है यह उत्तर मध्य रेलवे का एक महत्वपूर्ण मण्डल है जो देश के उत्तरी भाग को दक्षिणी भाग एवं पूर्वी भाग को पश्चिमी भाग से जोड़कर रेलों के आवागमन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है ।

भारतीय रेलवे उत्तर प्रदेश में आधारभूत रेल संरचना को उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में राज्य में रुपये 1,66,000 करोड़ से अधिक की 5407 रेल परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इस साल के बजट में उत्तर प्रदेश को रिकॉर्ड रुपये 17,507 करोड़ का आवंटन मिला है और राज्य में 156 स्टेशनों को विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशनों के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। प्रधान मंत्री 6 अगस्त 2023 को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, झांसी ललितपुर सांसद अनुराग शर्मा, कॉरपोरेट निदेशक(पावर ग्रिड) राम नरेश तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, विधायक झांसी सदर रवि शर्मा, विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन व अन्य गणमान्य नागरिक सहित झांसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा, अपर मंडल रेल प्रबंधक ( परिचालन) आर डी मौर्य , प्रशासन के अधिकारी सहित रेलवे के अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्कूल के बच्चों, स्थानीय लोक कलाकारों और स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के उपरांत इस अवसर पर स्कूलों में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा पुरस्कृत किया गया।

वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन के पुनर्विकास व उच्चीकरण हेतु सम्मिलित प्रमुख बदलाव निम्नानुसार है रू स्टेशन का डिजाईन झाँसी किले और रानी महल से प्रेरित है।

0 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन का पुनर्विकास रु. 477.55 करोड़ की लागत से अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं विकसित की जाएँगी।

0 स्टेशन का पुनर्विकास आगामी 50 साल की संभावित आवश्यकताओं के दृष्टिगत किया जा रहा है

0 स्टेशन की दूसरी एंट्री के लिए सिटी प्लानर के अनुसार दूसरी एंट्री और सकुर्लेटिंग एरिया का विकास जिसमें दोनों तरफ में वृहद पार्किंग स्थल का प्रावधान रहेगा।

0 स्टेशन पर 36 लिफ्टों, 19 एस्केलेटर्स के अतिरिक्त 02 ट्रैवलेटर की सुविधा उपलब्ध होगी।

0 स्टेशन पर पीक घंटों में 6093 के स्थान पर 17061 यात्रियों की वहन क्षमता।

0 स्टेशन पर नए अत्याधुनिक जन सुविधा युक्त,अधिक क्षमता वाले प्रतीक्षालय का प्रावधान।

0 एक बार में 298 यात्रियों को बैठाने की क्षमता वाला अउ लाउन्ज के साथ–साथ पश्चिम सकुर्लेटिंग क्षेत्र में 98 यात्रियों की क्षमता वाला नॉन अउ लाउन्ज का प्रावधान किया जायेगा।

0 स्टेशन पर 8920 वर्ग मीटर के कमर्शियल एक्टिविटीज की सुविधाएं।

0 लगभग 2500 डहढ के सोलर पैनल के माध्यम से स्टेशन को ऊर्जा प्रदान की जाएगी।

0 यात्रियों को गाड़ियों के समय से सम्बंधित सूचना प्रदान करने हेतु 10 बड़ी वीडियो वाल का प्रावधान 0 भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत इलेक्ट्रिकल व्हीकल पॉवर चार्जिंग पॉइंट का प्रावधान।

0 रेन वाटर हार्वेस्टिंग का प्रावधान

0 स्टेशनों की लैंड स्केपिंग, भूनिर्माण, हरे पैच और स्थानीय कला।

0 स्टेशन को दिव्यांगजन की सुगमता के दृष्टिगत विकसित किया जायेगा। स्टेशन पर सुविधाओं के विस्तार व उच्चीकरण के क्रम में अमृत भरत स्टेशन स्कीम के अंतर्गत प्रथम चरण में कुल 16 स्टेशन पुनर्विकसित किये जाने हेतु चयनित किये गए हैं जिसमें डबरा स्टेशन के अतिरिक्त बांदा, मुंसेना, महोबा, चित्रकूट धाम कर्वी, दतिया, ललितपुर, उरई, पुखरायां, घाटमपुर, मिड, हरपालपुर, टीकमगढ़, छतरपुर ओरछा एवं श्योपुरकलां सम्मिलित है। मंडल द्वारा द्वितीय चरण में विकसित किये जाने वाले अन्य 14 स्टेशन में अतर्रा, बबीना, बेलाताल, भरुआसुमेरपुर, कालपी, कुल्पहाड, मऊरानीपुर, निवाड़ी, रागौल, तालबेहट, एट, हमीरपुर रोड, कोंच एवं शनिचरा हैं।

## बुन्देलखण्ड क्रान्ति दल द्वारा हर घर पर्चा – हर घर चर्चा अभियान चलाया जाएगा

झाँसी। आज बुन्देलखण्ड क्रान्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुँ0 सत्येन्द्र पाल सिंह की अध्यक्षता में एक जरूरी मीटिंग संपन्न हुई । मीटिंग में निर्णय लिया गया कि बुंदेलखंड क्रांति दल के कार्यकर्ता हर घर पर्चा और हर घर चर्चा अभियान चलाएंग साथ में ही निर्णय लिया गया कि 01 अगस्त 2023 को बुन्देलखण्ड के सभी जिलों में बुन्देलखण्ड क्रान्ति दल के कार्यकर्ता जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेज कर बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण की मांग करेंगे।

इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह ने कहा कि इस मीटिंग में हमने पृथक बुंदेलखंड राज्य आंदोलन के मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया है। आप सभी के सहयोग से हम इस आंदोलन को और बलवान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम लोग अपनी सामर्थ्य और एकजुटता के साथ, बुंदेलखंड के लोगों के लिए न्याय से भरा एक नया अध्याय लिखने के लिए तत्पर हैं। हमें सावधान रहना होगा, संघर्ष के तैयार रहना होगा और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए न कभी हार मानने की इच्छा रखनी होगी। बुंदेलखंड के लोगों के हित में हमारे संघर्ष को आगे बढ़ाते हुए, हम भ्रष्टाचार, अन्याय और दुर्बलता का सामना करेंगे। हम सभी के साथ मिलकर बुंदेलखंड को एक सशक्त, समृद्ध और समरसता से परिपूर्ण पृथक राज्य बनाने के लिए काम करेंगे। मीटिंग में मुख्य रूप से अबरार अली, मो. आरिफ कमाल हरिनारायण श्रीवास्तव, मो. नईम मंसूरी, शेख अरशद,राजू वंशकार, देवेंद्र अहिरवार, विनोद वर्मा कोरी, आरिफ कमाल, राज सिंह शेखावत, श्रीमती पल्लवी चतुर्वेदी, श्रीमती कुसुम नायक , अरविंद सिसोदिया, देवेंद्र सेंगर, कीर्ति कुमार सिंह, सुनील हीरवानी, ऋषभ राय , प्रफुल्ल शर्मा, संजय मिश्रा, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# श्रावण मास पर मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सरावगी ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं महाशिवपुराण कथा का किया श्रवण

**0 महादेव की अराधना करने से उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है: डॉ. संदीप**

झाँसी। श्रावण मास पर श्री पंचदेव कॉलोनी सूर्यपुरम आवास विकास स्थित श्री पंचदेव भगवान मंदिर पर पंद्रह दिवसीय कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झांसी के प्रतिष्ठित समाजसेवी संघर्ष सेवा समिति अध्यक्ष डॉ. संदीप सरावगी का मंच पर कार्यक्रम के आयोजक डॉ. प्रभाकर शास्त्री एवं कथा व्यास पंडित श्री मनोज चतुर्वेदी ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। स्वागत पश्चात श्री पंचदेव भगवान मंदिर में डॉ. संदीप सरावगी ने शिवलिंग का जलाभिषेक कर बेलपत्र अर्पित कर जगत कल्याण की प्रार्थना की। इसके पश्चात मंदिर प्रांगण में डॉ. संदीप सरावगी एवं समिति सदस्यों ने असंख्य पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। कथा स्थल महाशिवपुराण कथा के द्वितीय दिवस पर कथा व्यास पंडित श्री मनोज चतुर्वेदी के मुखारबिंद से शिवमहापुराण कथा का डॉ. संदीप सरावगी सहित पंडाल में उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने श्रवण किया। कथा व्यास

पंडित श्री मनोज चतुर्वेदी ने कहा कि पुराणों के अनुसार 5 महापाप हैं, जिसमें बाल हत्या, पर स्त्री का संग, स्वर्ण की चोरी, घर में आग लगाना और किस से विश्वासघात करना। उन्होंने कहा कि इन पांचो पाप किये हुए व्यक्ति के यहाँ जल पीना पर भी महापाप लगता हैं। लेकिन निर्मल हृदय एवं श्रद्धा भाव से शिवलिंग के दर्शन से महापाप से मुक्ति मिलती हैं। कथा के उपरांत डॉ. संदीप सरावगी ने कहा कि माता–पिता और गुरु जीवन की असली पूंजी हैं। चाहे कैसी भी विषम परिस्थिति हो माताझपिता और गुरु का चरण कभी नही छोड़ना चाहिए। माता–पिता और गुरु जीवन संवार देते हैं।

इस अवसर पर संघर्ष सेवा समिति से जिलाध्यक्ष अजय राय, बसंत गुप्ता, राजूसेन, राकेश अहिरवार, सुशांत गेंडा, जयदीप खरे (जिलाध्यक्ष, हिंदू जागरण मंच), नीरज सिहोतिये (सभासद, कैंट), राजीव सिंह रजक, त्रिलोक कटारिया, चंदन पाल एवं आयोजन समिति से हरीकांत निगम, राज कुमार तिवारी, घनशयाम यादव, सर्वेश सक्सेना, संतोष, दीप्ति खरे, नीलम , रामा, स्नेह, सीमा श्रीवास्तव ,सोलंकी,सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# सड़क किनारे घायल मिला अधेड़ अस्पताल पहुंचते दम तोड़ा

**परिजनों ने काटा हंगामा, डॉक्टर पर लापरवाही का लगाया आरोप**

बिलग्राम/हरदोई । थाना क्षेत्र के म्योरा गांव के निकट एक डेरी चालक घायल अवस्था में सड़क किनारे देखा गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल को उपचार के लिए बिलग्राम सीएचसी में भर्ती कराया ,जहां पर चिकित्सक ने घायल को मृत घोषित कर दिया। जानकारी अनुसार, मृतक वेद प्रकाश 40 वर्ष पुत्र आशाराम निवासी मधईपुरवा मजरा ग्राम जलालपुर जो दूध का काम करता था शनिवार रात को वो म्योरा गांव के निकट घायल अवस्था में पड़ा देखा गया ,ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल को सीएचसी बिलग्राम पहुंचाया अस्पताल पहुंचते ही वेदप्रकाश ने दम तोड़ दिया। नाराज परिजनों ने डाक्टरों पर इलाज में हीलाहवाली का आरोप लगाते हुए सीएचसी परिसर में हंगामा काटा,इसके अलावा परिजनों ने गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि वेदप्रकाश दूध का काम करता था उसकी पडोस के इलाके कटरी बिरछुइया में दूध डेरी है उसी डेरी को बंद कर अपने घर वापस आ रहा था तभी ये हादसा हो गया। फिलहाल चिकित्सक अमित यादव ने बताया कि वेदप्रकाश की दुर्घटना हुई है और चोट के कारण जान गयी है। वहीं इस मामले में प्रभारी निरीक्षक डीडी सिद्धार्थ ने बताया कि युवक घायल अवस्था में पड़ा मिला था जिसका प्रथम द्रष्टया एक्सीडेंट ही लग रहा है गोली लगने जैसी कोई घटना प्रतीत नहीं हुई है। फिलहाल पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।रिपोर्ट आने पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

## प्राइवेट एंबुलेंस में गैस रिफिल करते समय हुआ हादसा

झांसी। जनपद के मेडिकल कॉलेज पर घरेलू गैस से प्राईवेट एम्बुलेंस चलाये जा रहे है लेकिन इसको लेकर कोई कार्यवाही नहीं होती है जब कोई घटना सामने आती है तब इसकी जानकारी मिलती है। ऐसा ही हुआ आज मेडिकल कॉलेज के पास एक प्राईवेट एम्बुलेंस जिसमें गैस रिफिल करते समय बड़ा हादसा हो गया। जिसमें कार पूरी तरह से क्षतिगस्त हो गई।

## आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा दर्शननगर रेलवे स्टेशन

**–प्रधानमंत्री ने स्टेशन के पुर्नविकास के लिए लिए वर्चुअली रखी आधार शिला**

अयोध्या । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुर्नविकास की वीडियों काफ्रेंसिंग के माध्यम से आधारशिला रखी। जिसमें अयोध्या का दर्शन नगर रेलवे स्टेशन भी शामिल है। दर्शननगर रेलवे स्टेशन पर समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में सांसद लल्लू सिंह शामिल हुए। इसमें नये स्टेशन भवन का निर्माण व पोर्टिको का प्रावधान होगा। स्टेशन भवन में यात्रियों के लिए फूड प्लाजा, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, आधुनिक प्रतीक्षालय, बेबी फीडिंग कक्ष, कैफेटेरिया एवं रिटेल सुविधाएं, आधुनिक फर्नीचर, एक स्टेशन एक उत्पाद के कम से कम दो स्टाल, एग्जीक्यूटिव लाउंज एवं व्यवसायिक बैठकों के लिए स्थान व लाकर रुम होंगे।

सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से युक्त दर्शननगर रेलवे स्टेशन बनेगा। विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधाओं से युक्त अयोध्या रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का सौन्दर्यीकरण करके यहां यात्री सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। बाराबंकी अयोध्या अकबरपुर जफराबाद रेलवे ट्रैक का दोहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। अयोध्या को जोड़ने वाले सभी मार्गो का चौड़ीकरण किया जा रहा है। देश विदेश से रामनगरी में आने वाले पयर्टकों की सुविधा के लिए श्रीराम हवाई अड्डे का निर्माण कार्य किया जा रहा है। रामनगरी अयोध्या आने वाले समय में देश के विकसित व सुन्दर शहर में एक होगा।

महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं को वैश्विक मानकों के अनुसार सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इसके लिए सरकार ने योजनाओं की श्रंखलाएं प्रदान की है। शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए कई रेलवे ओवरब्रिजों का निर्माण किया जा रहा है। महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा कि रामनगरी अयोध्या विश्व पयर्टन के मानचित्र पर आ गयी है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार कई गुना बढ़ती जा रही है। जिसके लिए सरकार लगातार सुविधाओं का विकास कर रही है। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि पयर्टन सुविधाओं के विकास का सबसे ज्यादा लाभ स्थानीय लोगो के मिलेगा। लगातार मिल रहे परियोजनाओं से पूरे अयोध्या जनपद में रोजगार सृजन होगा। जिससे यहां के लोगो में समृद्धि आयेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय मंत्री कमलेश श्रीवास्तव, पूर्व जिलाध्यक्ष कमलाशंकर पाण्डेय, ओम प्रकाश सिंह, गिरीश पाण्डेय डिप्पुल, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, दिनेश मिश्रा, परमानंद मिश्रा, दिव्य प्रकाश तिवारी, आकाश मणि त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व स्थानीय लोगो की उपस्थिति रही।

## रेल यात्रियों को सुगम, सुखद एवं सुरक्षित यात्रा प्रदान की जायेगी- प्रधानमंत्री

हरदोई । देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जनपद के रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास परियोजना का वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से बटन दबाकर शिलान्यास किया तथा स्टेशन पर बनी शिलान्यास शिलापट् से स्काउट छात्रा ने डोरी खींच कर पर्दा हटाया।इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से सम्बोधित करते हुए प्रधान मंत्री जी ने कहा कि इन रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हो जाने पर रेल यात्रियों को सुगम, सुखद एवं सुरक्षित यात्रा प्रदान की जायेगी, साथ ही रेलवे स्टेशनों का विस्तार होने से अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। उन्होने कहा कि हर रेलवे स्टेशन का शहर के सिटी सेंटर के रूप में विकास कराया जायेगा,साथ ही स्टेशनों पर रूफ प्लाजा, शॉपिंग जोन, फूड कोर्ड, चिल्ड्रन प्ले गाउंड आदि सुविधाओं के साथ अलग–अलग निकास व प्रवेश द्वार होगे और यात्रियों को स्टेशन पर मल्टी लेबल पार्किंग, लिफ्ट, वेटिंग ऐरिया और दिव्यांगजनों के लिए अनूकूल सुविधाओं की व्यवस्था होगी।शिलान्यास अवसर पर सांसद जय प्रकाश रावत, राज्य सभा सांसद अशोक बाजपेई, उच्च राज्य शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू, पूर्व सांसद अंशुल वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्रा, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा, नमामि गंगे संयोजक अशोक कुमार सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता तथा भाजपा के अजीत सिंह बब्बन, प्रदीप पाठक, अमित वर्मा, जितेन्द्र सिंह तथा रेलवे के एमडी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति, पत्रकार बन्धु तथा भारी संख्या में जनपदवासी उपस्थित रहे।

## विद्युत तार की चपेट में आकर युवती की मौत

**–घर से शौंच के लिए बाहर निकली थी युवती**

मिल्कीपुर–अयोध्या । खंडासा थाना क्षेत्र के कंजी गांव में शौच लिए निकली 20 वर्षीय युवती किरन की टूट कर गिरे 11 हजार वोल्ट की लाइन के तार की चपेट में आने से झुलसकर दर्दनाक मौत हो गई है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची खंडासा पुलिस ने युवती का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। कंजी गांव निवासी राम अवध पासी की 20 वर्षीय बेटी किरन रविवार की भोर करीब 5 बजे अपने घर से शौच के लिए बाहर निकली थी। गांव के बाहर सड़क के किनारे स्थित 11 हजार वोल्ट की मेन लाइन का जर्जर तार टूट कर गिरा था जिसमें विद्युत प्रवाह जारी था। जिसकी चपेट में वह आ गई और उसकी मौके पर ही झुलस कर दर्दनाक मौत हो गई। मामले में युवती के पिता राम अवध पासी ने कुमारगंज विद्युत उपकेंद्र के का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी, जिसके आधार पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार यादव ने युवती का शव कब्जे में ले लिया व विधिक कार्यवाही शुरू की। ग्राम प्रधान महेंद्र प्रताप सिंह उर्फ दीपक सिंह का कहना है कि मेरे द्वारा विद्युत लाइन का जर्जर तार बदले जाने हेतु कई बार विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की गई गई, किंतु कोई भी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। जिसका परिणाम है कि आए दिन जर्जर लाइन का तार टूट कर गिरता रहता है। जिसके चलते कोई न कोई घटना घट जाती है।

## पुरानी पेंशन के लिए शिक्षकों ने भरी हुंकार

अयोध्या। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर अटेवा द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित पेंशन क्रांति महासम्मेलन में शिक्षकों व कर्मचारियों का रविवार को जमावड़ा रहा। अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने कहा कि आगामी 1 अक्टूबर को पूरे देश के शिक्षक व कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली में आंदोलन करेंगे।उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली ही अटेवा का एकमात्र लक्ष्य है। प्रदेश महामंत्री डॉ नीरज त्रिपाठी ने कहा कि पुरानी पेंशन बुढ़ापे की लाठी है और शिक्षक और कर्मचारी पुरानी पेंशन हर हाल में लेकर रहेगा। आईटी सेल प्रभारी अभिनव सिंह राजपूत ने कहा सरकार को पुरानी पेंशन बहाल करना होगा। जिला संयोजक विजय प्रताप सिंह ने कहा भी शिक्षक व कर्मचारी पेंशन से विहीन हैं जबकि अल्प समय के लिए निर्वाचित हुए राजनेता पुरानी पेंशन ले रहे हैं। मंडलीय मंत्री संदीप यादव ने कहा कि सरकार को पुरानी पेंशन जल्द बहाल कर देनी चाहिए। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष विक्रमादित्य मौर्य, मंडल पर्यवेक्षक रमेश चंद्र त्रिपाठी, सत्येंद्र कुमार राय, विजय प्रताप यादव, राकेश रमन, संजय उपाध्याय, सुभाष चंद्र यादव ने भी संबोधित किया।

## नमूने मिलावट के संदेह के आधार पर अपमिश्रक के संग्रहित किए गए– सतीश कुमार

हरदोई। इंडस्ट्रियल एरिया संडीला स्थित पंकज डेयरी परिसर में जितेंद्र डेरी पर दूध में मिलावट की सूचना के क्रम में सहायक आयुक्त खाद्य लखनऊ मंडल लखनऊ श्री चंद्र किशोर के नेतृत्व में तथा सहायक आयुक्त खाद्य सतीश कुमार के कुशल निर्देशन में खाध सचल द्वारा कार्यवाही की गई। खाध परिसर में दूध तथा दूध में मिलाये जाने की संभावना के लिए रखा दूध पाउडर व एक अन्य केमिकल सोडियम साइट्रेट) पाया गया ,जिनके कुल चार नमूने दो नमूने मिश्रित दूध तथा दो नमूने मिलावट के संदेह के आधार पर रखे अपमिश्रक के संग्रहित किए गए। समस्त कार्यवाही के दौरान नायब तहसीलदार संडीला श्री संतोष कुमार उपस्थित रहे सचल दल में मंडलीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वर्मा खाद सुरक्षा अधिकारी अनिरुद्ध सिंह गंगवार, राम किशोर, खुशीराम, अजीत सिंह व सुभाष चंद्र मौर्य उपस्थित रहे।

# हिंदू धर्म के बाद किस धर्म की उत्पत्ति हुई?

वैसे हिंदू धर्म के बाद बहुत से प्राचीन धर्मों का उल्लेख किया जा सकता है, जैसे पेगन, वूडू आदि लेकिन हिंदू-जैन के बाद यहूदी धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म था जिसने धर्म को एक नहीं व्यवस्था में ढाला और उसे एक नई दिशा और संस्कृति दी। हजरत आदम से लेकर अब्राहम और अब्राहम से लेकर मूसा तक की परंपरा यहूदी धर्म का हिस्सा है। यह सभी कहीं न कहीं हिंदू धर्म की परंपरा से जुड़े थे। ऐसा माना जाता है कि राजा मनु को ही यहूदी लोग हज. नूह कहते थे। दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है यहूदी धर्म। लगभग 4000 साल पुराना यह धर्म वर्तमान में इसराइल का राजधर्म है। यहूदी धर्म की शुरुआत पैगंबर हजरत इब्राहिम (अबराहम या अब्राहम) से मानी जाती है, जो ईसा से 2000 वर्ष पूर्व हुए थे। हज.इब्राहिम के बाद यहूदी इतिहास में सबसे बड़ा नाम 'पैगंबर मूसा' का है। हजरत मूसा ही यहूदी जाति के प्रमुख व्यवस्थाकार हैं। ह.मूसा को ही पहले से चली आ रही एक परंपरा को स्थापित करने के कारण यहूदी धर्म का संस्थापक माना जाता है। हज.मूसा के बाद यहूदियों को विश्वास है कि कयामत के समय हमारा अगला पैगंबर आएगा। मूसा मिस्र के फराओ के जमाने में हुए थे। दुनिया के प्राचीन धर्मों में से एक यहूदी धर्म से ही ईसाई और इस्लाम धर्म की उत्पत्ति हुई है। इस्लाम की एक ईश्वर की परिकल्पना, खतना, बुतपरस्ती का विरोध, नमाज, हज, रोजा, जकात, सूदखोरी का विरोध, कयामत, कोशर (हराम-हलाल), पवित्र दिन (सब्बाब), उम्माह जैसी सभी बातें यहूदी धर्म से ली गई हैं। पवित्र पवित्र भूमि, धार्मिक ग्रंथ, अंजील, हदीस और ताल्मुद की कल्पना एक ही है। ईसाई और इस्लाम में आदम, हव्वा, इब्राहीम, नूह, दावूद, इसाक, इस्माइल, इल्यास, सोलोमन आदि सभी ऐतिहासिक और महान लोग यहूदी परंपरा से ही है। हजरत अब्राहम को यहूदी, मुसलमान और ईसाई तीनों धर्मों के लोग अपना पितामह मानते हैं। आदम से अब्राहम और अब्राहम से मूसा तक यहूदी, ईसाई और इस्लाम सभी के पैगंबर एक ही है किंतु मूसा के बाद यहूदियों को अपने अगले पैगंबर के आने का अब भी इंतजार है।




# आखिर क्या फायदा होगा नैवेद्य अर्पित कर उसे खाने से?

- मन और मस्तिष्क को स्वच्छ, निर्मल और सकारात्मक बनाने के लिए हिन्दू धर्म में कई रीति-रिवाज, परंपरा और उपाय निर्मित किए गए हैं। सकारात्मक भाव से मन शांतचित्त रहता है। शांतचित्त मन से ही व्यक्ति के जीवन के संताप और दुख मिटते हैं।
- जब किसी अन्न को भगवान को समर्पित कर दिया जाता है तो उसमें दिव्यता समाहित हो जाती है। वह और भी पवित्र और गुण वाला बन जाता है, जो हमारे शरीर को पुष्ट करता है। गिलास भर पानी पीने से कहीं अच्चा चरणामृत होता है जो हृदय को सेहतमंद बनाता है।
- लगातार प्रसाद वितरण करते रहने के कारण लोगों के मन में भी आपके प्रति अच्छे भावों का विकास होता है। इससे किसी के भी मन में आपके प्रति राग-द्वेष नहीं पनपता और आपके मन में भी उसके प्रति प्रेम रहता है।
- लगातार भगवान से जुड़े रहने से चित्त की दशा और दिशा बदल जाती है। इससे दिव्यता का अनुभव होता है और जीवन के संकटों में आत्मबल प्राप्त होता है। देवी और देवता भी संकटों के समय साथ खड़े रहते हैं।
- भजन, कीर्तन, नैवेद्य आदि धार्मिक कर्म करने से जहां भगवान के प्रति आस्था बढ़ती है वहीं शांति और सकारात्मक भाव का अनुभव होता रहता है। इससे इस जीवन के बाद भगवान के उस धाम में भगवान की सेवा की प्राप्ति होती है और अगला जीवन और भी अच्छे से शांति व समृद्धिपूर्वक व्यतीत होता है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार अंत में हमें उन्हीं देवी-देवताओं के स्वर्ग, इत्यादि धामों में वास मिलता है जिसकी हम आराधना करते रहते हैं।
- श्रीमद् भगवद् गीता में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन के माध्यम से हमें यह भी बताते हैं कि देवी-देवताओं के धाम जाने के बाद फिर पुनर्जन्म होता है अर्थात देवी-देवताओं का भजन करने से, उनका प्रसाद खाने से व उनके धाम तक पहुंचने पर भी जन्म-मृत्यु का चक्र खत्म नहीं होता है। (श्रीगीता 8/16)।

# कितने प्रकार के होते हैं भूत

**हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। उक्त सभी के उप भाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। इसी तरह जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसुता, स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंवारी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी करते हैं। इनसभी की उत्पति अपने पापों, व्याभिचार से, अकाल मृत्यु से या श्राद्ध न होने से होती है।**

**पुरुषों का भूत** - हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया गया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। सभी को यम के अधीन रहना होता है। आर्यमा नामक देवता को पितरों का अधिपति कहा गया है, जो चंद्रमंडल में रहते हैं। उक्त सभी के उपभाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है, तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। प्रेत योनि में जाने वाले लोग अदृश्य और बलवान हो जाते हैं। सभी मरने वाले इसी योनि में नहीं जाते और सभी मरने वाले अदृश्य तो होते हैं, लेकिन बलवान नहीं होते। यह आत्मा के कर्म और गति पर निर्भर करता है। बहुत से भूत या प्रेत योनि में न जाकर पुन: गर्भधारण कर मानव बन जाते हैं। पितृ पक्ष में हिन्दू अपने पितरों का तर्पण करते हैं। इससे सिद्ध होता है कि पितरों का अस्तित्व आत्मा अथवा भूत-प्रेत के रूप में होता है। गरूड़ पुराण में भूत-प्रेतों के विषय में विस्तृत वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत पुराण में भी धुंधकारी के प्रेत बन जाने का वर्णन आता है।

**स्त्री का भूत** - हालांकि स्त्री और पुरुष एक शरीरिक विभाजन है तथा आत्मिक तौर पर कोई स्त्री और पुरुष नहीं होता। लेकिन जिसके चित्त की दशा जैसी होती है उसे वैसी योनि प्राप्त होती है। यदि कोई आत्मा स्त्री बनकर रही है तो वह खुद को अनंतकाल तक स्त्री ही महसूस करते हुए अन्य योनियां धारण करेगी। खैर! जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसूता स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंआरी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी कहते हैं। इन सभी की उत्पत्ति अपने पापों, व्यभिचार, अकाल मृत्यु या श्राद्ध न होने से होती है।

**प्रेतबाधा** : भूतादि से पीड़ित व्यक्ति की पहचान उसके स्वभाव एवं क्रिया में आए बदलाव से की जाती है। अलग-अलग स्वभाव में परिवर्तन के अनुसार जाना जाता है कि व्यक्ति कौन से भूत से पीड़ित है।

**भूत पीड़ा** : यदि किसी व्यक्ति को भूत लग गया है, तो वह पागल की तरह बात करने लगता है। मूढ़ होने पर भी वह किसी बुद्धिमान पुरुष जैसा व्यवहार भी करता है। गुस्सा आने पर वह कई व्यक्तियों को एक साथ पछाड़ सकता है। उसकी आंखें लाल हो जाती हैं और देह में सदा कंपन बना रहता है।

**पिशाच पीड़ा** : पिशाच प्रभावित व्यक्ति सदा खराब कर्म करना है, जैसे नग्न हो जाना, नाली का पानी पीना, दूषित भोजन करना, कटु वचन कहना आदि। वह सदा गंदा रहता है और उसकी देह से बदबू आती है। वह एकांत चाहता है। इससे वह कमजोर होता जाता है।

**प्रेत पीड़ा** : प्रेत से पीड़ित व्यक्ति चिल्लाता और इधर-उधर भागता रहता है। वह किसी का कहना नहीं सुनता। वह हर समय बुरा बोलता रहता है। वह खाता-पीता नही हैं और जोर-जोर से श्वास लेता रहता है।

**शाकिनी पीड़ा** : शाकिनी से ज्यादातर महिलाएं ही पीड़ित रहती हैं। ऐसी महिला को पूरे बदन में दर्द बना रहता है और उसकी आंखों में भी दर्द रहता है। वह अक्सर बेहोश भी हो जाती है। कांपते रहना, रोना और चिल्लाना उसकी आदत बन जाती है।

**चुड़ैल पीड़ा** : चुड़ैल भी ज्यादातर किसी महिला को ही लगती है। ऐसी महिला यदि शाकाहारी भी है तो मांस खाने लग जाएगी। वह कम बोलती, लेकिन मुस्कुराती रहती है। ऐसी महिला कब क्या कर देगी? कोई भरोसा नहीं।

**यक्ष पीड़ा** : यक्ष से पीड़ित व्यक्ति लाल रंग में रुचि लेने लगता है। उसकी आवाज धीमी और चाल तेज हो जाती है। वह ज्यादातर आंखों से इशारे करता रहता है। इसकी आंखें तांबे जैसी और गोल दिखने लगती हैं।

**ब्रह्मराक्षस पीड़ा** : जब किसी व्यक्ति को ब्रह्मराक्षस लग जाता है, तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही शक्तिशाली बन जाता है। वह हमेशा खामोश रहकर अनुशासन में जीवन-यापन करता है। इसे ही 'जिन्न' कहते हैं। ये बहुत सारा खाना खाते हैं और घंटों तक एक जैसी ही अवस्था में बैठे या खड़े रहते हैं। जिन्न से ग्रस्त व्यक्ति का जीवन सामान्य होता है। ये घर के किसी सदस्य को परेशान भी नहीं करते हैं, बस अपनी ही मस्ती में मस्त रहते हैं। जिन्नों को किसी के शरीर से निकालना अत्यंत ही कठिन होता है।

इस तरह से और भी कई तरह के भूत होते हैं जिनके अलग-अलग लक्षण और लक्ष्य होते हैं। उपरोक्त जानकारी शास्त्रों के आधार है।

# कामदेव को पुत्र की तरह पालने के बाद रति ने उनसे कर लिया विवाह

जिस तरह पश्चिमी देशों में क्यूपिड और यूनानी देशों में इरोस को प्रेम का प्रतीक माना जाता है, उसी तरह हिन्दू धर्मग्रंथों में कामदेव को प्रेम और आकर्षण का देवता कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कामदेव भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के पुत्र हैं। उनका विवाह रति नाम की देवी से हुआ था, जो प्रेम और आकर्षण की देवी मानी जाती है। कुछ कथाओं में यह भी उल्लिखित है कि कामदेव स्वयं ब्रह्माजी के पुत्र हैं और इनका संबंध भगवान शिव से भी है। कुछ जगह पर धर्म की पत्नी श्रद्धा से इनका आविर्भाव हुआ माना जाता है। जोभी हो हम एक रोचक पौराणिक कथा पढ़ते हैं। कामदेव को सुनहरे पंखों से युक्त एक सुंदर नवयुवक की तरह प्रदर्शित किया गया है जिनके हाथ में धनुष और बाण हैं। ये तोते के रथ पर मकर (एक प्रकार की मछली) के चिह्न से अंकित लाल ध्वजा लगाकर विचरण करते हैं। वैसे कुछ शास्त्रों में हाथी पर बैठे हुए भी बताया गया है। वसंत ऋतु के देवता कामदेव की पूजा वसंत पंचमी की जाती है। उनके कई नाम है जिममें से मदन की प्रसिद्ध है। असम में है उनका खास मंदिर। मदन-कामदेव मंदिर को 'असम का खजुराहो' के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर घने जंगलों के भीतर पेड़ों से छुपा हुआ है। कहते हैं कि भगवान शंकर द्वारा तृतीय नेत्र खोलने पर भस्म हो गए कामदेव का इस स्थान पर पुनर्जन्म तथा उनकी पत्नी रति के साथ पुन: मिलन हुआ था।

## पौराणिक कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक समय ब्रह्माजी प्रजा वृद्धि की कामना से ध्यानमग्न थे। उसी समय उनके अंश से तेजस्वी पुत्र काम उत्पन्न हुआ और कहने लगा कि मेरे लिए क्या आज्ञा है? तब ब्रह्माजी बोले कि मैंने सृष्टि उत्पन्न करने के लिए प्रजापतियों को उत्पन्न किया था किंतु वे सृष्टि रचना में समर्थ नहीं हुए इसलिए मैं तुम्हें इस कार्य की आज्ञा देता हूं। यह सुन कामदेव वहां से विदा होकर अदृश्य हो गए। यह देख ब्रह्माजी क्रोधित हुए और शाप दे दिया कि तुमने मेरा वचन नहीं माना इसलिए तुम्हारा जल्दी ही नाश हो जाएगा। शाप सुनकर कामदेव भयभीत हो गए और हाथ जोड़कर ब्रह्माजी के समक्ष क्षमा मांगने लगे। कामदेव की अनुनय-विनय से ब्रह्माजी प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें रहने के लिए 12 स्थान देता हूं- स्त्रियों के कटाक्ष, केश राशि, जंघा, वक्ष, नाभि, जंघमूल, अधर, कोयल की कूक, चांदनी, वर्षाकाल, चैत्र और वैशाख महीना। इस प्रकार कहकर ब्रह्माजी ने कामदेव को पुष्प का धनुष और 5 बाण देकर विदा कर दिया।

इन पांच बाणों के नाम हैं- 1.मारण, 2.स्तम्भन, 3.जृम्भन, 4.शोषण, 5.उम्मादन (मन्मन्थ)। उनका धनुष मिठास से भरे गन्ने का बना होता है जिसमें मधुमक्खियों के शहद की रस्सी लगी है। उनके धनुष का बाण अशोक के पेड़ के महकते फूलों के अलावा सफेद, नीले कमल, चमेली और आम के पेड़ पर लगने वाले फूलों से बने होते हैं। ब्रह्माजी से मिले वरदान की सहायता से कामदेव तीनों लोकों में भ्रमण करने लगे और भूत, पिशाच, गंधर्व, यक्ष सभी को काम ने अपने वशीभूत कर लिया। फिर मछली का ध्वज लगाकर कामदेव अपनी पत्नी रति के साथ संसार के सभी प्राणियों को अपने वशीभूत करने बढ़े। इसी क्रम में वे शिवजी के पास पहुंचे। भगवान शिव तब तपस्या में लीन थे तभी कामदेव छोटे से जंतु का सूक्ष्म रूप लेकर कर्ण के छिद्र से भगवान शिव के शरीर में प्रवेश कर गए। इससे शिवजी का मन चंचल हो गया। उन्होंने विचार धारण कर चित्त में देखा कि कामदेव उनके शरीर में स्थित है। इतने में ही इच्छा शरीर धारण करने वाले कामदेव भगवान शिव के शरीर से बाहर आ गए और आम के एक वृक्ष के नीचे जाकर खड़े हो गए। फिर उन्होंने शिवजी पर मोहन नामक बाण छोड़ा, जो शिवजी के हृदय पर जाकर लगा। इससे क्रोधित हो शिवजी ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से उन्हें भस्म कर दिया। कामदेव को जलता देख उनकी पत्नी रति विलाप करने लगी। तभी आकाशवाणी हुई जिसमें रति को रुदन न करने और भगवान शिव की आराधना करने को कहा गया। फिर रति ने श्रद्धापूर्वक भगवान शंकर की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो शिवजी ने कहा कि कामदेव ने मेरे मन को विचलित किया था इसलिए मैंने इन्हें भस्म कर दिया। अब अगर ये अनंग रूप में महाकाल वन में जाकर शिवलिंग की आराधना करेंगे तो इनका उद्धार होगा। तब कामदेव महाकाल वन आए और उन्होंने पूर्ण भक्तिभाव से शिवलिंग की उपासना की। उपासना के फलस्वरूप शिवजी ने प्रसन्न होकर कहा कि तुम अनंग, शरीर के बिन रहकर भी समर्थ रहोगे। कृष्णावतार के समय तुम रुक्मणि के गर्भ से जन्म लोगे और तुम्हारा नाम प्रद्युम्न होगा।

## श्रीकृष्ण और कामदेव

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण को भी कामदेव ने अपने नियंत्रण में लाने का प्रयास किया था। कामदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से यह शर्त लगाई कि वे उन्हें भी स्वर्ग की अप्सराओं से भी सुंदर गोपियों के प्रति आसक्त कर देंगे। श्रीकृष्ण ने कामदेव की सभी शर्त स्वीकार की और गोपियों संग रास भी रचाया लेकिन फिर भी उनके मन के भीतर एक भी क्षण के लिए वासना ने घर नहीं किया।

## रति ने पाला कामदेव को पुत्र की तरह फिर उनसे कर लिया विवाह

जब शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया तब ये देख रति विलाप करने लगी तब जाकर शिव ने कामदेव के पुन: कृष्ण के पुत्र रूप में धरती पर जन्म लेने की बात बताई। शिव के कहे अनुसार भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि को प्रद्युम्न नाम का पुत्र हुआ, जो कि कामदेव का ही अवतार था। कहते हैं कि श्रीकृष्ण से दुश्मनी के चलते राक्षस शंभरासुर नवराज प्रद्युम्न का अपहरण करके ले गया और उसे समुद्र में फेंक आया। उस शिशु को एक मछली ने निगल लिया और वो मछली मछुआरों द्वारा पकड़ी जाने के बाद शंभरासुर के रसोई घर में ही पहुंच गई। तब रति रसोई में काम करने वाली मायावती नाम की एक स्त्री का रूप धारण करके रसोईघर में पहुंच गई। वहां आई मछली को उसने ही काटा और उसमें से निकले बच्चे को मां के समान पाला-पोसा। जब वो बच्चा युवा हुआ तो उसे पूर्व जन्म की सारी याद दिलाई गई। इतना ही नहीं, सारी कलाएं भी सिखाईं तब प्रद्युम्न ने शंभरासुर का वध किया और फिर मायावती को ही अपनी पत्नी रूप में द्वारका ले आए।

मुद्गल पुराण के अनुसार कामदेव का वास यौवन, स्त्री, सुंदर फूल, गीत, पराग कण या फूलों का रस, पक्षियों की मीठी आवाज, सुंदर बाग-बगीचों, वसंत ऋतु, चंदन, काम-वासनाओं में लिप्त मनुष्य की संगति, छुपे अंग, सुहानी और मंद हवा, रहने के सुंदर स्थान, आकर्षक वस्त्र और सुंदर आभूषण धारण किए शरीरों में रहता है। इसके अलावा कामदेव स्त्रियों के शरीर में भी वास करते हैं, खासतौर पर स्त्रियों के नयन, ललाट, भौंह और होठों पर इनका प्रभाव काफी रहता है।

## कामदेव मंत्र

कामदेव के बाण ही नहीं, उनका 'क्लीं मंत्र' भी विपरीत लिंग के व्यक्ति को आकर्षित करता है। कामदेव के इस मंत्र का नित्य दिन जाप करने से न सिर्फ आपका साथी आपके प्रति शारीरिक रूप से आकर्षित होगा बल्कि आपकी प्रशंसा करने के साथ-साथ वह आपको अपनी प्राथमिकता भी बना लेगा। कहा जाता है कि प्राचीनकाल में वेश्याएं और नर्तिकयां भी इस मंत्र का जाप करती थीं, क्योंकि वे अपने प्रशंसकों के आकर्षण को खोना नहीं चाहती थीं। ऐसा माना जाता है कि इस मंत्र का लगातार जाप करते रहने की वजह से उनका आकर्षण, सौंदर्य और कांति बरकरार रहती थी।

# गन्स एंड गुलाब्स में राजकुमार मनोरंजन करने के लिए है पूरी तरह से तैयार!

वर्सटाइल एक्टर राजकुमार राव अपने द्वारा निभाए गए किरदारों में पूरी तरह से उतरने की अपनी असाधारण क्षमता से दर्शकों को प्रभावित करते हैं। उनकी नवीनतम कॉमेडी थ्रिलर गन्स एंड गुलाब्स में राजकुमार एक नए अवतार में नज़र आ रहे हैं, जो देखने में बड़ा दिलचस्प लग रहा है। इस सीरीज़ का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज़ हो गया है और दर्शकों की ओर से सोशल मीडिया पर इसे मज़ेदार रिएक्शंस भी मिल रहे हैं। राज और डीके द्वारा निर्देशित इस आगामी कॉमेडी थ्रिलर के प्रशंसक बेसब्री से इसकी रिलीज के दिन गिन रहे हैं। प्रतिभाशाली एक्टर राजकुमार राव के अलावा इसमें सौम्य दुलकर सलमान, आदर्श गौरव और गुलशन देवैया भी शामिल हैं। 90 के दशक पर आधारित यह सीरीज़ थ्रिलिंग एक्शन और ह्यूमर की एक रोलर-कोस्टर सवारी का वादा करती है। लेकिन हर कोई चर्चा राजकुमार राव के बिल्कुल नए अवतार की कर रहा है। जहा उन्होंने घने बाल और जैकेट के साथ बड़ी सहजता से अपने किरदार की हरकतों को अपनाया है। यह ट्रेलर एक्टर की किसी भी भूमिका में ढलने और अपनी प्रतिभा से दिलों पर कब्जा करने की अद्वितीय क्षमता की एक झलक मात्र है। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित प्रदर्शन से लेकर बॉक्स ऑफिस की सफलता तक राजकुमार राव लगातार अपने हर किरदार में जान फूंक रहे हैं। अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के साथ प्रतिभा का यह पावरहाउस दर्शकों को भरपूर एंटरटेनमेंट देने का वादा करता है।

# भुवन बाम के यूट्यूब चैनल बीबी की वाइन्स के 8 साल पूरे

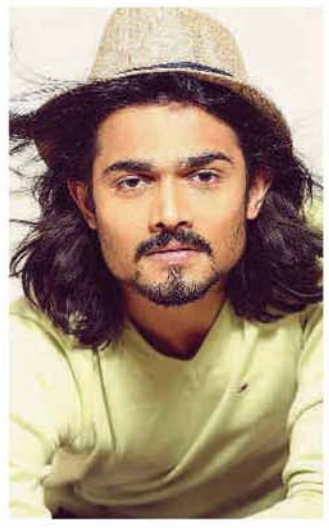

भारत के सबसे बड़े यूट्यूबर्स में से एक अभिनेता भुवन बाम अपने यूट्यूब चैनल बीबी की वाइन्स के 8 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने यूट्यूब चैनल को 2015 में लॉन्च किया था। इस चैनल ने भारत में 4जी क्रांति का सबसे अधिक फायदा उठाया। बीबी की वाइन्स अपने कंटेंट के लिए जाना जाता है, जिसमें भुवन ने सभी किरदार खुद निभाए हैं। अपनी बुद्धि और भरोसेमंद हास्य के साथ भुवन ने ऑनलाइन सामग्री निर्माण के क्षेत्र में सफलता हासिल की है। उन्होंने बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान का इंटरव्यू किया है। बीबी की वाइन्स यात्रा के 8 वर्ष पूरे होने पर भुवन ने हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा, मैं खुशी से अभिभूत हूं क्योंकि बीबी की वाइन्स ने 8 अविश्वसनीय वर्ष पूरे कर लिए हैं। ऐसा लगता है जैसे कल ही की बात हो, जब मैंने यह यात्रा शुरू की थी। मुझे अपने समुदाय और सभी लोगों से प्यार मिला है। 2023 भुवन बाम के लिए दोहरे जश्न का साल साबित हुआ, क्योंकि वह अपनी ओटीटी सीरीज ताजा खबर के साथ ऑनलाइन सनसनी से एक कुशल अभिनेता बन गए है। उन्होंने आगे कहा, एक अभिनेता के रूप में ताजा खबर की सफलता मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसी है। मेरे काम को लाखों लोगों ने सराहा, जिसकी मुझे उम्मीद नहीं थी। शो के रिलीज के बाद लोगों की प्रतिक्रिया हमारी उम्मीदों से बढ़कर रही।

# ओटीटी पर सेंसर के खिलाफ हैं कुमुद मिश्रा

सिने संसार के बेहतरीन अभिनेताओं में अपने को शामिल करवा चुके अभिनेता कुमुद मिश्रा इन दिनों अपनी वेब सीरीज लस्ट स्टोरी-2 को लेकर खासी चर्चाओं में हैं। इस वेब सीरीज की एक कहानी में उन्होंने काजोल के यौन शोषण करने वाले पति की भूमिका निभाई थी। अपनी इस भूमिका के बारे में बात करते हुए वे कहते हैं कि उन्हें इस भूमिका को करने में आपत्ति थी। मुझे संदेह था कि मैं इसे सही से कर पाऊंगा या नहीं। हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में उन्होंने यह भी कहा कि दर्शक इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे और क्या वे उन्हें ऐसी भूमिका निभाने के लिए स्वीकार करेंगे, यह ऐसी बात थी जो उनके दिमाग में कभी नहीं थी। जब भी मैं कोई भूमिका लेता हूं या कोई निश्चित किरदार निभाता हूं, तो मैं अपने दर्शकों के आधार को ध्यान में नहीं रख सकता। बड़े सितारे ऐसा कर सकते हैं क्योंकि उनकी एक इमेज होती है और लोग हमें इमेज को जीना चाहते हैं। लेकिन एक अभिनेता के रूप में मेरे लिए, प्रशंसक आधार कभी भी संदर्भ नहीं होता है, बल्कि एक कलाकार के रूप में मेरी अपनी चुनौतियां मायने रखती हैं। इस किरदार को निभाने और इसके साथ न्याय करने को लेकर झिझक के बारे में बात करते हुए, मिश्रा ने कहा कि इसका कारण यह था कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया था। असफलता का डर था...मैं इसे कर पाऊंगा या नहीं। लेकिन निर्देशक ने मुझ पर बहुत विश्वास दिखाया और इससे मुझे आगे बढ़ने का आत्मविश्वास मिला। जबकि लोग, हाल ही में, ओटीटी पर अश्लीलता का हवाला देते हुए तर्क दे रहे हैं कि यह उन्हें असहज बनाता है, मिशन मजनू और कुट्टी अभिनेता ऐसे मामलों में स्व-सेंसरशिप की वकालत करते हैं। उनका कहना है कि दर्शकों के पास इसे न देखने का विकल्प है। आज हर तरह के काम बनने चाहिए और बन रहे हैं। वयस्क सामग्री से लेकर पारिवारिक नाटक तक, सामग्री की कोई कमी नहीं है। आप जो देखना चाहते हैं उसे चुन सकते हैं। लेकिन क्या बनाया जाना चाहिए और क्या नहीं, यह तय करने का जिम्मा कोई क्यों लेना चाहेगा। दरअसल, यह तय करने का कोई तरीका नहीं है कि किस बात से किसे नुकसान होगा। आज कल लोग हर बात पर आहत होते हैं। जहां तक उन लोगों की शिकायत है कि लस्ट स्टोरीज़ जैसी सामग्री परिवार के साथ देखने लायक नहीं है, तो अभिनेता का कहना है कि यह स्पष्ट है कि आप अपने बच्चों के साथ ऐसा शो नहीं देखेंगे। इस बात पर मिश्रा तर्क देते हैं कि ऑनलाइन सामग्री के उपभोक्ता के रूप में, मुझे पता होगा कि किसी विशेष परियोजना के लिए मेरी कंपनी कौन होनी चाहिए। ये बहस मुझे समझ नहीं आती। हम परिवार के साथ बैठकर बात करने का समय नहीं निकल पाते, पर हमें ये लड़ाई करनी है कि हम उनके साथ बैठकर एक फिल्म देख सकते हैं या नहीं। जबकि मिश्रा ओटीटी पर प्रयोग करने के लिए तैयार हैं क्योंकि इससे उन्हें अपनी क्षमताओं के बारे में जानने का मौका मिलता है, वह प्रचार परियोजनाओं का हिस्सा बनने के विचार के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि मैं एक बहुत ही नकारात्मक किरदार निभा सकता हूं, क्योंकि इसमें उसके कार्यों के लिए एक मजबूत और तार्किक बिंदु है। मैं सनसनीखेज के लिए कुछ नहीं कर सकता। मुझे सेक्स सीन, या गाली देने पर भी कोई एतराज़ नहीं है। पर वो गाली आप क्यों दे रहे हैं, उसके पीछे एक वजह होनी चाहिए। लेकिन मैं ऐसा कोई भी प्रोजेक्ट नहीं करना चाहता जो प्रचार हो और समाज में असुविधा पैदा करता हो। उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसे कई प्रोजेक्ट की पेशकश की गई है। मैं इसे बनाने वाले लोगों पर सवाल नहीं उठाता क्योंकि मैं किसी भी तरह की सेंसरशिप के खिलाफ हूं। लेकिन मैं खुद को इससे दूर रखना चाहूंगा।

## गदर 2 पर भी चली सेंसर बोर्ड की कैंची



बॉलीवुड एक्टर सनी देओल की फिल्म गदर 2 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में सनी देओल एक बार फिर तारा सिंह बनकर पाकिस्तान में गदर मचाने वाले हैं। फिल्म में अमीषा पटेल भी सकीना के किरदार में दिखेंगी। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रिलीज के पहले गदर 2 पर सेंसर बोर्ड की कैंची भी चली है। गदर 2 में 10 बदलाव के साथ फिल्म को सेंसर बोर्ड से यूए सर्टिफिकेट मिला है। यानि की अब हर उम्र के लोग यह फिल्म सिनेमाघरों में देख सकते हैं।

**फिल्म में किए गए ये बदलाव**

फिल्म में दंगे के दौरान दंगाइयों द्वारा लगाए जाने वाले हर हर महादेव के नारों को हटा दिया है। इसके अलावा शिव तांडव श्लोक भी नहीं सुनाई देगा। इसे अखंड है...वो संग है से रिप्लेस किया गया है। गदर 2 में तिरंगे की जगह झंडे शब्द का इस्तेमाल होगा। इसी से जुड़ा फिल्म का एक डायलॉग अब ऐसा सुनाई देगा हर झंडे को.. में रंग देंगे। फिल्म में एक जगह गाली दी गई है, जिसे हटाकर इडियट शब्द से रिप्लेस किया गया है। डिफेंस मिनिस्टर से जुड़े भी कुछ डायलॉग्स हैं, जिसकी जगह रक्षा मंत्री कर दिया गया है। गदर 2 में कोठे की पृष्ठभूमि के एक गाने बता दे सखी... गये शाम के बोल बदलकर अब बता दे पिया कहां बिताई शाम.. कर दिया गया है। कुरान और भगवत गीता को ध्यान में रखते हुए फिल्म के डायलॉग दोनों एक ही तो हैं। बाबा नानक ने भी यही कहा है की जगह एक नूर ते सब जग उपजे। बाबा नानक ने भी यही कहा है कर दिया गया है। गदर 2 के अंत में होने वाली हिंसा और खून-खराबे के सीन्स के दौरान शिव तांडव के श्लोक और शिव मंत्रों के उच्चरण को बदलकर बैकग्राउंड में आम तरह संगीत को बजाने की अनुमति दी है।

# द केरल स्टोरी फेम एक्ट्रेस अदा हुई बीमार

एक्ट्रेस अदा शर्मा को फूड एलर्जी और डायरिया के कारण अस्पताल ले जाया गया है। वह फिलहाल निगरानी में हैं। बयान में कहा गया कि एक्ट्रेस को अपकमिंग शो कमांडो के प्रोमोशन्स से ठीक पहले मंगलवार को इमरजेंसी में अस्पताल ले जाया गया। उन्हें डायरिया और फूड एलर्जी का पता चला। एक करीबी सूत्र ने आईएएनएस को बताया, आज सुबह स्ट्रेस हील्स और डायरिया से पीड़ित हो गई। फिलहाल, वह निगरानी में हैं। अदा को कमांडो का प्रचार करते देखा गया है जहां वह भावना रेड्डी की भूमिका निभा रही हैं। कमांडो नई एक्शन-थ्रिलर सीरीज जल्द ही आने वाली है, और इसमें एक्ट्रेस अदा के साथ मुख्य भूमिका में एक्टर प्रेम हैं। सीरीज द केरल स्टोरी की सफलता के बाद अदा और विपुल अमृतलाल शाह फिर साथ आए हैं। विपुल ने इस सीरीज का निर्देशन किया है। इसमें वैभव तत्ववादी, श्रेया सिंह चौधरी, अमित सियाल, तिग्मांशु धूलिया, मुकेश छाबड़ा और इश्तेयाक खान भी हैं। कमांडो फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2013 में कमांडो-ए वन मैन आर्मी से हुई थी, जिसमें विद्युत जामवाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। पिछले कुछ सालों में यह फ्रेंचाइज़ी एक्शन शैली के शौकीनों की पसंदीदा बन गई है। सीरीज का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह और सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है। यह जल्द ही डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आएगी।

# वेलकम 3 में हुई बॉबी देओल की एंट्री!

बॉलीवुड फिल्मकार फिरोज नाडियाडवाला अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइजी वेलकम का तीसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं। बीते दिनों वेलकम 3 की घोषणा हुई थी। इस फिल्म का टाइटल वेलकम टू द जंगल होगा। फैंस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और परेश रावल दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आने वाले हैं। वहीं अब इस फिल्म में एक और बॉलीवुड एक्टर की एंट्री हो गई है। खबरों के अनुसार अक्सर सीरियस रोल में नजर आने वाले बॉबी देओल वेलकम 3 में दर्शकों को हंसाते नजर आने वाले हैं। इस तरह से फिल्म में अब अक्षय कुमार, संजय दत्त, अरशद वारसी, सुनील शेट्टी के अलावा बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। रिपोर्ट के मुताबिक बॉबी देओल अब अक्षय कुमार स्टारर फिल्म वेलकम 3 का हिस्सा हैं। इस फिल्म में नाना पाटेकर और अनिल कपूर की जगह इस बार संजय दत्त और अरशद वारसी नजर आएंगे। इन्हीं के बीच में बॉबी देओल भी हंसी का तड़का लगाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि वेलकम 3 एक मजेदार स्क्रिप्ट बन गई है और निर्माता इस फिल्म के लिए बड़े कलाकारों को लाने की तैयारी में हैं। फिरोज नाडियाडवाला वेलकम 3 के लिए 90 के दशक के कुछ सबसे बड़े नामों अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी और अब बॉबी देओल को अपने साथ जोड़ने में कामयाब रहे हैं।

## बॉलीवुड के इन दो खानों के साथ काम करना चाहते हैं राकेश ओमप्रकाश मेहरा



'रंग दे बसंती 'जैसी बेहतरीन फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। हाल ही में डायरेक्टर ने एक मीडिया संस्थान से साक्षात्कार के

खान के साथ काम करने की इच्छा जताई है। जी हां, निर्देशक का कहना है कि वह दोनों अभिनेताओं को अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं। भविष्य में किंग खान और मिस्टर परफेक्शनिस्ट के साथ किसी परियोजना में काम करने के इच्छुक हैं, जिसका जबाब देते हुए उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें एक साथ निर्देशित करना चाहूंगा। मेरा मतलब है हां। 100 फीसदी। मैं शाहरुख और आमिर का दोस्त हूं। मैं दोनों से प्यार करता हूं और मुझे लगता है कि जब हम एक साथ काम करेंगे तो यह काफी शानदार होगा। मुझे उम्मीद है ऐसा जल्द होगा। गौरतलब है कि इंडस्ट्री के इन दोनों सुपरस्टार्स ने अभी तक किसी भी फिल्म में साथ काम नहीं किया है। आपको बता दें कि आमिर ने साल 2006 में आई फिल्म 'रंग दे बसंती' में राकेश ओमप्रकाश मेहरा के साथ काम कर चुके हैं, लेकिन फिल्मकार ने अभी तक शाहरुख के साथ कोई फिल्म नहीं बनाई है। हाल ही में डायरेक्टर की फिल्म भाग मिल्खा भाग ने 10 साल पूरे किए हैं और इस अवसर पर यह फिल्म देशभर के 30 शहरों में फिर से रिलीज की जाएगी.

# रानी चटर्जी ने मुंबई पुलिस से मांगी मदद

भोजपुरी फिल्म स्टार रानी चटर्जी को एक यूजर लगातार गंदे मैसेज भेज रहा था, जिस पर उन्होंने मुंबई पुलिस से मदद मांगी थी। अब रानी ने उस यूजर का स्क्रीनशॉट शेयर किया है और कहा है कि अगली बार ऐसा होने पर वह तुरंत केस कर देंगी। साथ ही फैन्स का शुक्रिया भी अदा किया। भोजपुरी फिल्मों की एक्ट्रेस रानी चटर्जी गाहे-बगाहे यूजर्स के निशाने पर आ ही जाती हैं। लेकिन वह भी उन्हें सबक सिखाने से पीछे नहीं रहतीं। रानी चटर्जी कई बार ऐसे यूजर्स को सबक सिखा चुकी हैं, जो सोशल मीडिया पर उनके बारे में अनाप-शनाप लिखते हैं। अब फिर एक यूजर ने एक्ट्रेस के साथ कुछ ऐसा ही किया, जिससे वह भड़क गईं। पर इस बार रानी मुखर्जी को मुंबई पुलिस की मदद मांगनी पड़ी। दरअसल सिद्धी नाम की एक फीमेल यूजर रानी को पिछले काफी दिनों से परेशान कर रही थी। एक्ट्रेस का दावा है कि वह उनके खिलाफ भद्दी भाषा का इस्तेमाल कर गंदे-गंदे मैसेज कर रही थी। रानी मुखर्जी ने इस यूजर की आईडी स्क्रीनशॉट लेकर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। उन्होंने एक और पोस्ट इंस्टाग्राम पर किया था, जिसमें मुंबई पुलिस से मदद की गुहार लगाते हुए कहा कि इस तरह के मैसेज करने वालों को रोका जाए।

## बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का त्यागी समाज ने किया विरोध, घंटों हुआ हंगामा, मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने मांगी माफ़ी

**गाजियाबाद ।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और प्रदेश के राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप का त्यागी समाज के लोगों ने करीब दो घंटे तक घेराव किया। त्यागी समाज के लोगों ने स्वतंत्र देव सिंह एवं भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यह लोग भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बयान से खफा थे। उनका कहना था कि स्वतंत्र देव ने मुज़फ्फरनगर के शुक्रतीर्थ में त्यागी समाज एवं दो अन्य समाजों को लेकर

आपत्तिजनक बयान दिया है। काफी गहमागहमी के बाद त्यागी समाज के लोग वापस चले गए। जिसके बाद मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने एक वीडियो बयान जारी करके माफ़ी मांगी है। दरअसल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, मंत्री नरेंद्र कश्यप और संगठन के अन्य पदाधिकारी आज यहां मानसरोवर भवन में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने के लिए आए थे। यह प्रशिक्षण वर्ग पार्टी के जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। इसी दौरान त्यागी समाज का प्रतिनिधिमंडल भूपेंद्र चौधरी से मिला, लेकिन बाद में त्यागी समाज के नेता मांगेराम त्यागी के नेतृत्व में समाज के अनेक कार्यकर्ता मानसरोवर गेट पर बैठ गए और जमकर हंगामा किया।

## धर्मान्तरण मामले में आरोपित अब्दुल रहमान की जमानत खारिज, बद्दो की अर्जी पर 16 अगस्त को सुनवाई

**गाजियाबाद**। सेक्टर 23 संजय नगर में कारोबारी के पुत्र का धर्मांतरण मामले के आरोपित अब्दुल रहमान की न्यायालय ने जमानत अर्जी खारिज कर दी। जबकि दूसरे आरोपी शहनवाज उर्फ बद्दो की जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए 16 अगस्त निश्चित की है।धर्मांतरण कराने के आरोपी अब्दुल रहमान और शहनवाज उर्फ बद्दो की जमानत के लिए उनके अधिवक्ता ने अदालत में अर्जी दाखिल की थी। जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश चंद्र शर्मा ने बताया कि अब्दुल रहमान की जमानत अर्जी पर दोनों पक्षों के वकीलों की बहस हुई। बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोप को गंभीर मानते हुए अब्दुल रहमान की जमानत अर्जी खारिज कर दी। वही शाहनवाज और बद्दो की जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने 16 अगस्त की तारीख लगाई है।

कविनगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक कारोबारी का नाबालिग बेटा संजय नगर स्थित मस्जिद में पहुंचकर नमाज पढ़ता था। नाबालिग के पिता ने शक होने पर उसका पीछा किया और उसे मस्जिद से निकलते देखा। इसके बाद पिता के होश उड़ गए। पिता ने मामले की जानकारी 30 मई 2023 को कवि नगर पुलिस को दी। पुलिस ने उद्यमी की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए मामले की जांच की। जांच के दौरान मस्जिद के पूर्व सदस्य अब्दुल रहमान को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। मामले की जांच के दौरान पता चला कि महाराष्ट्र निवासी शाहनवाज उर्फ बद्दो गेमिंग के जरिए बच्चों को फंसाकर उनका ब्रेनवाश करता था।

## दिल्ली एवं एनसीआर में भूकंप के झटके

**नई दिल्ली**। राष्ट्रीय राजधानी एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में रात को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप रात नौ बजकर 31 मिनट पर आया और रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5 8 मापी गयी है। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में 36.38 डिग्री उत्तरी अक्षांश पर और 70.77 डिग्री पूर्व देशांतर पर स्थित था एवं इसकी गहराई 181 किलोमीटर पर थी। भूकंप के झटके दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) , जम्मू कश्मीर , उत्तर प्रदेश , हरियाणा एवं पंजाब में भी महसूस किए गए। भूकंप से अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है।

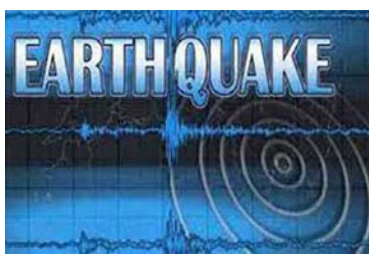


# दिल्ली के चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में मनाया जाएगा चौथा वन महोत्सव

**नई दिल्ली।** दिल्ली में हर वर्ष की तरह इस बार भी केजरीवाल सरकार द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम मनाया जा रहा है। नौ जुलाई से दिल्ली के आईएआरआई पूसा से शुरू हुए वृक्षारोपण महाअभियान की इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए अगला वन महोत्सव कार्यक्रम दिल्ली के चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इस बार का चौथा वन महोत्सव कार्यक्रम छह अगस्त को दिल्ली विश्वविद्यालय के पोलो ग्राउंड में मनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र के ईको क्लब के बच्चे व शिक्षक समेत पर्यावरण मित्र एवं आरडब्लूए के सदस्य मौजूद रहेंगे। साथ ही निःशुल्क औषधीय पौधों के वितरण का कार्य भी इस वन महोत्सव के दौरान किया जाएगा।पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के अंदर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार बनने के बाद से लगातार प्रदूषण में गिरावट दर्ज की जा रही है और दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इजाफा देखा गया है। दिल्ली में जहां साल 2013 में हरित क्षेत्र

20 फीसद था, वह केजरीवाल सरकार के प्रयासों के कारण साल 2021 में बढ़कर 23.06 फीसदी हो गया है।

समर एक्शन प्लान के बिन्दुओं में शामिल वृक्षारोपण महाअभियान को गति देने के लिए 9 जुलाई को आईएआरआई पूसा से शुरू हुए वन महोत्सव कार्यक्रम की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए चौथा वन महोत्सव कार्यक्रम चांदनी चौक दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इस साल हमारी सरकार वन महोत्सव कार्यक्रम के द्वारा दिल्ली के अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में वृक्षारोपण और पौधा वितरण का कार्य कर रही है। इस कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के आरडब्लूए के मेंबर्स, पर्यावरण मित्र और ईको क्लब्स के बच्चे और अध्यापक भी मौजूद रहेंगे।

उन्होंने बताया कि दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। केजरीवाल सरकार के दूसरे कार्यकाल यानी साल 2020 से जबसे हमारी सरकार बनी है 2022-23 तक 01 करोड़ 18 लाख पौधे लगाए गए हैं। इस वर्ष भी हमारी सरकार ने 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे 21 सम्बंधित विभागों की हरित एजेंसियों के द्वारा पूरा किया जाएगा। इसके अलावा लगभग 50 लाख पौधे/झाड़ी एनडीएमसी लगाएगी।

पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सरकार के साथ दिल्ली वासियो का भी इस वन महोत्सव में सहयोग रहे इसी कारण सरकार द्वारा दिल्लीवासियों के लिए मुफ्त औषधीय पौधे भी उपलब्ध कराए जा रहे है। इसके अलावा दिल्ली की 14 सरकारी नर्सरियो से निःशुल्क औषधीय पौधे बाटें जा रहे है ताकि लोग अपने- अपने घरो में वृक्षरोपण कर दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने में सहभागिता दे सकेंगे। इनमे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले औषधीय पौधे भी शामिल रहेंगे। साथ ही दिल्लीवासियों के लिए इस वन महोत्सव कार्यक्रम के बाद दिल्ली के विधायक एवं पार्षदों की सहभागिता से मुफ्त औषधीय पौधे पूरे 70 विधानसभाओ में वितरित करने का अभियान शुरू किया जाएगा। पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय दिल्ली के लोगो से अपील करते है की राज्य को हरा भरा रखने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा पौधे लगाए। क्योकि भविष्य में क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओ से निपटने के लिए आज ज़रूरी है की पर्यावरण के साथ संतुलन बनाया जाए।

## एमसीडी के शिक्षकों को नामी शैक्षिक संस्थानों और स्कूलों में भेज रही दिल्ली सरकार

**नई दिल्ली।** शिक्षा मंत्री आतिशी ने देश के विभिन्न हिस्सों से मौजूद प्रख्यात शैक्षिक संस्थाओं से एक्सपोज़र विजिट कर लौटे एमसीडी स्कूलों के मेंटर टीचर्स से बातचीत की और विजिट के उनके अनुभवों को जाना। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि

दिल्ली सरकार के स्कूलों में शिक्षा क्रांति लाने में हमारे मेंटर शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।इस दिशा में अब हम एमसीडी स्कूलों के अपने मेंटर शिक्षकों को भी सशक्त बना रहे हैं ताकि वो एमसीडी स्कूलों में पढ़ाई के स्टार को वर्ल्ड क्लास बनाएं और लाखों बच्चों की जिंदगी में अहम् बदलाव लाएं। उन्होंने कहा कि देशभर के जाने-माने शैक्षिक संस्थाओं से सीखकर आने के बाद हमारे मेंटर शिक्षकों में अलग ही उत्साह और आत्मविश्वास है। इस उत्साह के साथ वे अपनी कक्षाओं में पढ़ाई का शानदार माहौल तैयार करेंगे और साथ ही अपने साथी शिक्षकों को सीखने-सिखाने के नवाचारों से परिचित करवाएंगे।

## ग्रेटर नोएडा के अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, मचा हड़कंप

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में श्री राधा स्काई गार्डन सोसायटी के एक फ्लैट में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। इस हादसे में दो दोस्त बाल-बाल बच गए। जानकारी के मुताबिक आग सुबह करीब 9:30 बजे लगी।

सिद्धार्थ और मृदुल नाम के दो दोस्त सोसायटी में टावर-टी9 के फ्लैट नंबर 1209 में रहते हैं। अचानक शॉर्ट-सर्किट के कारण फ्लैट में आग लग गई।

स्थानीय लोगों ने दावा किया कि अग्नि सुरक्षा प्रणाली ने समय पर काम नहीं किया, जिसके चलते आग ने पूरे फ्लैट को अपनी चपेट में ले लिया। मेंटेनेंस टीम और संबंधित विभाग को बुलाया गया, जिसके बाद आग पर काबू पाया गया और दोनों दोस्तों को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई है।

## नोएडा के चाइल्ड पीजीआई पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, डॉक्टरों को दिया मरीजों से व्यवहार सुधारने का निर्देश

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक रविवार को सेक्टर-30 के चाइल्ड पीजीआई में बीएसएल-3 लैब का उद्घाटन करने के लिए पहुंचे। उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि संस्थान के बेसमेंट में पानी की समस्या है। जिसे प्रबंधन जरूरी कोटेशन बनाकर शासन को भेजे। जिसे जल्द से जल्द सही कराया जा सके।

उन्होंने कहा की नए डॉक्टर के साथ अन्य स्टाफ की भर्ती के प्रबंधन अपने स्तर पर प्रयास करे। जिससे आसपास की विधा का कोई भी अस्पताल पनपने ना पाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में दो दिन पहले एक भर्ती मरीज से बात की थी।

**रूखे व्यवहार की शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई**

मरीज ने डॉक्टर और स्टाफ के व्यवहार के बारे में अवगत कराया है। जिस कारण डॉक्टरों

को व्यवहार में सुधारना करना होगा। पुजारी हो या सेवक सबको इस बात का बीड़ा उठान होगा की कैसे मरीजों को बेहतर इलाज मिले। अगर भविष्य में डॉक्टरों के रूखे व्यवहार की शिकायत मिलती है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। डॉक्टरों की भर्ती के प्रयास किए जाएं।

सभी चिकित्सक बच्चों के अच्छे इलाज और जांच के लिए प्रयासरत रहने चाहिए। जो गरीब लोग अभी प्राइवेट अस्पताल की ओर रुख करते हैं, उन्हें निजी अस्पताल नहीं जाना पड़े। कई बार देखने में आता है चिकित्सक निजी क्षेत्रों की ओर ज्यादा रुख करते हैं। संस्थान में शिशु के इलाज में सभी विधाओं के चिकित्सक होने चाहिए। इसकी व्यवस्था शासन करेगा।

उन्होंने चाइल्ड पीजीआइ में पिछले दिनों चोरी हुई बैटरी के संबंध में आवश्यक कार्रवाई को निर्देशित किया। उन्होंने कहा की मामले की जांच चल रही है जो भी दोषी पाए जाते हैं उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं निदेशक डा एके सिंह ने अवगत कराया कि संस्थान को जरूरी फैकल्टी नहीं मिल रही है। संस्थान सात साल पुराना है। जहां बच्चों को इलाज मिल रहा है। इस मौके पर सांसद डॉ महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, डीएम मनीष कुमार वर्मा, सीएमओ डॉ सुनील कुमार शर्मा, सीएमएस डा डीके सिंह, एमएस डॉ आकाश राज, मौजूद रहे।

## नोएडा में 4 नामी स्कूलों के खिलाफ जारी हुई आरसी, वसूला जाएगा जुर्माना

**नोएडा।** नोएडा में चार नामी स्कूलों के खिलाफ आरसी जारी की गई है। स्कूलों के खिलाफ यह कार्रवाई नोएडा के जिलाधिकारी ने की है। इन स्कूलों से एक-एक लाख रुपए जुर्माना वसूल किया जाएगा। इसमें खेतान पब्लिक स्कूल नोएडा, जीडी गोयनका स्कूल ग्रेटर नोएडा, शिव नादर स्कूल नोएडा, सैनफोर्ट स्कूल ग्रेटर नोएडा हैं।

दरअसल, उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा शैक्षिक वर्ष 2020-21 में प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के विषय में

विद्यालय प्रबंधन द्वारा वसूली गई 15 प्रतिशत फीस समायोजित करने व विद्यालय छोड़ चुके छात्रों को वापस किए जाने का आदेश दिया गया था।

जिसको लेकर विद्यालय द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी दायर की गई और न्यायालय द्वारा मात्र फीस वापसी के आदेश पर स्टे दिया गया। लेकिन फीस के समायोजन पर कोई स्टे नहीं दिया गया। इसके बाद जिलाधिकारी ने 15 प्रतिशत फीस समायोजित नहीं करने वाले 100 से अधिक स्कूलों पर 1-1 लाख रुपए जुर्माना लगाया था।

जिला विद्यालय निरीक्षक गौतमबुद्ध नगर डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि कुछ ही विद्यालयों ने आरोपित दंड की धनराशि जमा कराई गई है। ऐसे में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जुर्माना राशि नहीं देने वाले 4 स्कूलों ग्रेटर नोएडा पर आरोपित दंड की धनराशि वसूली के लिए आर.सी. निर्गत की है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि शेष विद्यालयों के विरुद्ध भी शीघ्र ही आरोपित दंड की धनराशि वसूली के लिए कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

# आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा नरेला रेलवे स्टेशन, 15 करोड़ की लागत से बनेगा फुटओवर ब्रिज

**बाहरी दिल्ली**। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये नरेला रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की योजना शिलान्यास करेंगे। इस योजना के अंतर्गत 26 करोड़ रुपये खर्च कर नरेला रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी।

**इन कामों में खर्च होगी राशि?**

15 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 36 फीट चौड़ा फुटओवर ब्रिज बनाया जाएगा। ब्रिज तक जाने के लिए लिफ्ट भी लगाई जाएगी। शेष 11 करोड़ रुपये रेलवे स्टेशन की साज-सज्जा के अलावा वेटिंग रूम, शौचालय समेत कई सुविधाओं पर खर्च किए जाएंगे।

इस योजना के तहत नरेला रेलवे स्टेशन को सिटी सेंटर के रूप में विकसित किया

जाएगा।रेलवे स्टेशन के सुंदरीकरण के अलावा इलेक्ट्रिक, सिग्नलिंग एवं दूरसंचार प्रणाली को अत्याधुनिक बनाने के लिए साढ़े तीन करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सिग्नल, एलईडी लाइटें, पंखे, जीपीएस घड़ी, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, कोच इंडिकेटर लगाए जाएंगे।अग्र भाग समेत पूरा रेलवे स्टेशन एलईडी लाइटों से जगमगाएगा।यात्रियों के लिए वेटिंग रूम को नए सिरे से आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। एलईडी से प्रकाश व्यवस्था, एक नज़र में डिस्प्ले बोर्ड मोनो रंग का प्रावधान, जीपीएस आधारित प्लेटफॉर्म घड़ी का प्रावधान के अलावा एक्जीक्यूटिव, आरक्षित लाउंज, वीआईपी कमरे में एलईडी टीवी का प्रावधान, यात्री उद्घोषणा प्रणाली का विस्तार किया जाएगा।

**30 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर होगा पुनर्विकास का काम**

उत्तर रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले 30 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर नरेला स्टेशन के पुनर्विकास का काम किया जाना है। दिव्यांगों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों को ध्यान में रखते हुए फुटओवर ब्रिज पार करने के लिए रेंप और लिफ्ट लगाई जाएगी।

फुटओवर ब्रिज से लेकर वाटर बूथ, शौचालय आदि नागरिक सुविधाओं में दिव्यांगजनों की जरूरत व सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा।रेल यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर कैफे भी बनाया जाएगा। पुनर्विकास का कार्य छह से आठ माह में काम पूरा किया जाएगा।

उधर, इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रेल विभाग का अमला दिनभर व्यस्त रहा।स्टेशन की साफ-सफाई से लेकर रंग-रोगन का काम चलता रहा।रेल विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लिया।

## अजीब मौसम के चलते गाजियाबाद, नोएडा में डेंगू के मामले बढ़े

**नोएडा/गाजियाबाद।** मौसम के करवट लेते ही बीमारियां भी पनपने लगी हैं। कभी ठंडा तो कभी गर्म मौसम कई बीमारियों को न्योता देता है और इस समय सबसे ज्यादा बीमारियां मच्छर और मक्खियों के जरिए लोगों तक पहुंचती है, जिनमें मलेरिया और डेंगू शामिल हैं।डेंगू की बात करें तो गाजियाबाद में अब तक 39 और नोएडा में 66 केस मिले हैं। गाजियाबाद में टाइफाइड से एक मरीज की मौत हुई है, जिसे बीते 4 दिनों से बुखार आ रहा था और उसके बाद उसकी मौत हो गई। इससे 3 दिन पहले भी गाजियाबाद में डेंगू के एक मरीज की मौत हुई थी।

इसके साथ ही वायरल के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। प्रभावित इलाकों में मरीजों की सैंपलिंग हो रही है और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। इस समय अपना और अपने बच्चों का काफी ध्यान रखना है ताकि उनके मच्छर से वह प्रभावित न हो।स्वास्थ्य विभाग के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉक्टर आरके गुप्ता ने बताया, नंदग्राम क्षेत्र में राधा कुंज निवासी 29 वर्षीय मोहित मावी एक सिक्योरिटी कंपनी में कार्यरत था। 31 जुलाई को मोहित को बुखार, उल्टी और पेट दर्द की समस्या हुई। परिजनों ने नजदीक के बंगाली डॉक्टर को दिखाकर मेडिसिन ले ली। ब्लड जांच में प्लेटलेट्स सिर्फ 27 हजार पाए गए। हालत में सुधार नहीं होने

पर परिजनों ने मोहित को 2 अगस्त की रात 9 बजे सेंट जोजफ मरियम अस्पताल नंदग्राम में एडमिट कराया। यहां पर हुई जांच में मरीज को टायफाइड, जॉनडिस के लक्षण पाए गए। 3 अगस्त को मोहित को वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया। यहां हालत में सुधार नहीं होने पर मरीज को 4 अगस्त की सुबह 4 बजे फोर्टिस अस्पताल दिल्ली के लिए रेफर किया गया। अस्पताल पहुंचते ही उसे मृत घोषित कर दिया। जिला सर्विलांस अधिकारी आरके गुप्ता ने बताया, मृतक मोहित के परिवार में कुल 10 सदस्य हैं। फिलहाल सभी स्वस्थ हैं। मलेरिया यूनिट ने उनके घर का भ्रमण किया है। वहां एंटी लार्वा का छिड़काव करते हुए अन्य परिजनों को जरूरी दवाएं दी गई हैं। सर्वे में आसपास के घरों में कोई अन्य मरीज नहीं पाया गया है। इसके साथ उन्होंने बताया कि जिले में भी कई जगहों पर लोगों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है कि लारवा का छिड़काव किया जा रहा है और कहीं भी अगर पानी भरने या पानी ठहरने की सूचना मिलती है तो वहां पर जाकर दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है उसके सफाई करवाई जा रही है।

# मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड से फोन पर की बातचीत

**नई दिल्ली**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' से द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार और मजबूती के लिए बातचीत की।

प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी ने श्री प्रचंड से टेलीफोन पर हुई वार्ता में कहा कि भारत की पड़ोसी देशों को पहली प्राथमिकता दिये जाने की नीति के अनुसार नेपाल भारत का एक प्रमुख भागीदार है।

विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-नेपाल द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की और श्री प्रचंडकी पिछली 31 मई से तीन जून 2023 तक की

भारत की यात्रा के दौरान हुई चर्चाओं पर आगे की कार्रवाई की समीक्षा की ताकि द्विपक्षीय भागीदारी को और बढ़ाया जा सके। दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता के संबंधों को और मजबूत बनाया जा सके। बयान में कहा गया है, नेपाल भारत का पड़ोसी मित्र देश है तथा भारत की पड़ोसी देश को प्रथम प्राथमिकता देने की नीति के अंतर्गत हमारा प्रमुख भागीदार है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह भी कहा कि टेलीफोन पर यह बातचीत दोनों पड़ोसी देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ताओं की परम्परा की एक कड़ी है।

खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210